# रोशनी की रात...
## परंपराओं के साथ उत्सव


# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

गौरी-गौरा पूजा

राउत नाचा

अन्नकूट पूजा

गोवर्धन पूजा

*रायपुर।* दीपोत्सव की धूम इस साल भी शहर में देखने को मिली। धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना के बाद अन्नकूट पूजा के चलते शनिवार को दिनभर उत्सव का माहौल रहा। शाम को दीपों की कतार, घर-आंगन और आस्था केन्द्रों में सजाई गई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय निवास के साथ राज्यपाल रमेन डेका का निवास भी रंग-बिरंगी रोशनी से सराबोर है। लोगों ने भी इस महापर्व की अगुवाई में दीपों की श्रृंखला सजाई।

## साय ने गाय को खिलाई खिचड़ी

- गौवंश को गुड़ और खिचड़ी खिलाकर व्यक्त की अपनी कृतज्ञता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गोवर्धन पूजा के अवसर पर अपने निवास की गौशाला में गौवंश की पूजा-अर्चना की। अपने हाथों से खिचड़ी और गुड़ खिलाया। उन्होंने इस मौके पर प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं दी। इस दौरान उप मुख्यमंत्री अरूण साव, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, खेल मंत्री टंकराम वर्मा मौजूद रहे।

### एक बार फिर सबका मन मोहा

गौवंश की पूजा अर्चना के बाद जब प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया तो मुख्यमंत्री श्री साय ने सबसे पहले गौशाला में गौवंश की सेवा करने वाले गौ सेवक भगवानी यादव को अपने हाथों से मिठाई खिलाकर उन्हें गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री की इस सहजता और सरलता ने एक बार फिर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

### त्योहारी खुशियों के बीच कई परिवारों में मातम, रायपुर में सनसनी

# काली रात... 48 घंटे में छह की हत्या
# दो बलवा, ज्यादातर की वजह नशा !

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रोशनी का त्योहार दिवाली, एक तरफ रात जगमगा रही थी और दूसरी ओर दिवाली उन आधा दर्जन परिवारों के लिए काली अंधेरी रात जैसी रही, जिनके परिजनों को बदमाशों ने मौत के घाट उतार दिया। 48 घंटे में शहर में ही पांच को मार डाला गया। छठी हत्या तिल्दा इलाके में हुई। इनमें से ज्यादातर की वजह नशा और नशे में विवाद है। इस दौरान दो बलवा के मामले भी आए।

### पुरानी बस्तीः जुआ विवाद में दो हत्याएं

भाठागांव पीली बिल्डिंग बीएसयूपी कॉलोनी में दीपावली की रात जुआ खेलने की बात को लेकर पहले दो पक्षों में जमकर हिंसक झड़प हुई। इसके बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के ऊपर पेंचकस, बीयर की बोतल से शरीर के नाजुक अंगों पर हमला कर दिया। झड़प में युवक संजय यादव की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरे पक्ष के गंभीर रूप से घायल युवक ⏭शेष पेज 4 पर

### नेवरा : युवक को मारकर फेंका

तिल्दा-नेवरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार को नहर किनारे तुलसी निवासी अमन प्रकाश रात्रे की खून से लथपथ लाश मिली। अज्ञात बदमाशों ने अमन की हत्या करने के बाद उसकी लाश नहर किनारे फेंक दी थी। राह चलते लोगों ने लाश देखने के बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की पड़ताल में जुट गई है।

### तेलीबांधा : नशे की हालत में हत्या

तेलीबांधा थाना क्षेत्र के सुभाषनगर देवारपारा में दीपावली की देर शाम अपने बड़ी मां के यहां मिठाई खाने गए कृष वर्मा की अनिश ठाकुर, बजाज साहू, छबि देवांगन ने चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना के समय आरोपी नशे में धुत थे। पुलिस के अनुसार, बदमाशों ने अपने मोहल्ले में आने की वजह से विवाद करते हुए कृष पर लोहे के पाइप से हमला किया तथा चाकू मारकर हत्या कर दी।

### बुजुर्ग दंपति पर हमला एक की मौत

खम्हारडीह थाना क्षेत्र के अवंति विहार में दीपावली के एक दिन पूर्व अज्ञात बदमाशों ने एक बुजुर्ग दंपति के सिर पर किसी ⏭शेष पेज 4 पर

### खम्हारडीह : जेसीबी ड्राइवर की हत्या

खम्हारडीह थाना क्षेत्र के कचना स्थित एक निर्माणाधीन बिल्डिंग के पास जेसीबी ड्राइवर सुंदर साहू की दीपावली के ⏭शेष पेज 4 पर

**इधर, पुलिस का ताबड़तोड़ एक्शन**

## तीन दिन में धरे गए 100 जुआरी
## आधा दर्जन चाकूबाज भी दबोचे गए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दीपावली पर्व के दौरान तीन दिनों में पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए थोक में जुआरियों, शराबियों और चाकूबाजों पर कार्रवाई की। आंकडों के मुताबिक तीन दिन में 100 से ज्यादा जुआरी पकड़े गए हैं। छह बदमाश चाकू के साथ दबोचे गए हैं। गौरतलब है, शहर में किसी भी तरह की शांति भंग न हो, इसका ध्यान रखते हुए एसएसपी डॉ. संतोष कुमार सिंह ने सभी थाना क्षेत्र के टीआई तथा राजपत्रित पुलिस अफसरों को जुआरियों और ⏭शेष पेज 4 पर

### शराबी भी पकड़े गए

इसी तरह से सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने वाले दो दर्जन से ज्यादा लोगों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। शांति भंग करने वाले आधा दर्जन से ज्यादा बदमाशों के खिलाफ पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

### पुलिस ने इन चाकूबाजों को गिरफ्तार किया

पुलिस ने चाकूबाजी की घटना को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे जिन बदमाशों को गिरफ्तार किया है, उनमें गुढियारी थाना क्षेत्र में राजेश ध्रुव, मनीष मानिकपुरी, आमानाका थाना क्षेत्र में भुवनलाल साहू, खम्हारडीह थाना क्षेत्र में जय वर्मा, खमतराई में गोविंद वर्मा शामिल हैं। मंदिर हसौद पुलिस ने देवेश साहू को गिरफ्तार किया है।


Godrej interio

ड्रीम होम फ़िएस्टा

35% तक की छूट*

और मुफ़्त फर्नीचर जीतने का मौका*

रंग और डिज़ाइन ऑप्शंस की विशाल रेंज

बेहतरीन आराम के लिए डिज़ाइन किया गया

अपने ई-कैटलॉग की कॉपी पाने के लिए स्कैन करें

हमारे मैट्रेसेस की विशाल रेंज में से चुनें और ₹30 000 तक के उपहार पाएं*

*नियम और शर्तें लागू. नियम और शर्तों की अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट देखें. यह ऑफ़र तमिलनाडु में लागू नहीं है.

होम फर्नीचर और स्टोरेजेस | किचन्स | मैट्रेसेस
www.godrejinterio.com

एक्सचेंज सुविधा उपलब्ध

HDFC BANK FESTIVE TREATS एचडीएफसी बैंक कार्ड पर आसान ईएमआई के साथ ₹10 000 तक की तत्काल छूट पाएं.*

pine labs PAY LATER पाइनलैब्स कार्ड फाइनेंस के साथ ईएमआई विकल्प उपलब्ध हैं.

BAJAJ FINANCE बजाज पेपर फाइनेंस के साथ ईएमआई विकल्प उपलब्ध हैं.

FURNITURE & STORWEL DEALER: Raipur: Godrej Interio Store Pandri – 9713604660, Chagorabhata – Ring Road-1 – 9009960909, Bhilai: 9826183452, Bilaspur: 9165550055. Jagdalpur: 9993786617. Bhatapara: 8770260500. Korba: 8224890024. Rajnandgaon: 9981666830. MATTRESS DISTRIBUTOR: Durg: 7440248000.
KITCHEN DEALER: Raipur: Nalghar Chowk – 9165550055 Bhilai: Supela – 9165550055, Bilaspur: Vyapar Vihar – 9165550055 Jagdalpur: 9993786617 For Home Dealership enquiry, contact – 8051557766 For Kitchen Dealership enquiry, contact – 9674689967

# मथुरा में गोवर्धन पूजा की धूम, श्रद्धालुओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ की 21 किमी परिक्रमा

■ भगवान गिरिराज को चढ़ाए गए 1008 तरह के व्यंजन

*मथुरा। पूरे देश में गोवर्धन का पर्व मनाया गया। मथुरा में भक्तों का सैलाब उमड़ा है। देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा की। 21 किलोमीटर की परिक्रमा के बीच ही गोवर्धन पूजा चली। परिक्रमा के दौरान भक्त गिरिराज भगवान की, मैं तो गोवर्धन को कू जाऊं मेरे पीर नाय माने मेरो मनवा, गीत गाकर भक्ति में सराबोर रहे। अब तक तीन लाख से ज्यादा भक्तों ने परिक्रमा कर ली है। भारत के अलग-अलग राज्यों से आए भक्तों ने गिरिराज जी को 1008 तरह के व्यजनों का भोग लगाया। धर्म की नगरी मथुरा में आज के दिन गोवर्धन का उत्साह देखने को मिला। अन्नकूट का प्रसाद तैयार किया गया। तरह-तरह के भोग तैयार किए गए थे। गिरिराज जी के दर्शन के लिए बहुत भारी भीड़ मथुरा में पहुंची। इस पर्व पर लोगों ने घरों में गाय के गोबर से गिरिराज जी को बनाकर पूजा की।*

## दूध से अभिषेक और आरती

*गोवर्धन के मौके पर भगवान गिरिराज का दूध से अभिषेक किया गया। दानघाटी, मुकुट मुखारबिंद मंदिर और मानसी गंगा समेत हरदेव मंदिर पर भगवान का दूध से अभिषेक किया गया। इसके बाद भगवान गिरिराज की विशेष आरती की गई।*

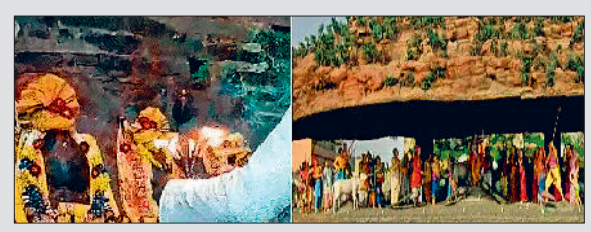

## खबर संक्षेप

### जंगली हाथियों के हमले में एक व्यक्ति की मौत

**भोपाल।** मध्यप्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व (बीटीआर) के बफर

जोन के बाहर शनिवार को जंगली हाथियों के हमले में एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान रामरतन यादव (65) के रूप में हुई है। बीटीआर के अधिकारी ने बताया, शनिवार सुबह जब वह रिजर्व के बाहर शौच के लिए गए थे तो जंगली हाथियों ने उन्हें कुचल दिया। उमरिया के मंडल वन अधिकारी विवेक सिंह ने फोन पर बताया कि यह घटना देवरा गांव में हुई।

### दो वाहनों की टक्कर में छह लोगों की मौत, पांच घायल

**सुंदरगढ़ (ओडिशा)।** ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में शनिवार तड़के एक

वाहन के ट्रक से टकरा जाने से छह लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना हेमगिरि पुलिस थाने के अंतर्गत गायकनापाली इलाके के पास हुई। यात्रियों को ले जा रही एक वैन ट्रक से टकरा गई थी। जिसमें कीर्तन समूह के छह सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। ऐसा संदेह है कि इलाके में धुंध के कारण यह दुर्घटना हुई।

### दुबई से दिल्ली आई एयर इंडिया की फ्लाइट में मिला गोला-बारूद

**नई दिल्ली।** एयर इंडिया के प्रवक्ता के मुताबिक 27 अक्तूबर 2024 को दुबई से दिल्ली में उतरने के बाद हमारी उड़ान आई-916 की एक सीट की जेब में एक गोला-बारूद कारतूस पाया गया था। इसके बाद मुस्तैदी दिखाते हुए फ्लाइट के स्टाफ ने सभी यात्रियों को सुरक्षित उतारा गया। बाद में मामले की शिकायत पुलिस से की गई। एयर इंडिया द्वारा सख्ती से पालन करते हुए तुरंत हवाईअड्डा पुलिस में शिकायत दर्ज की गई थी।

### कनाडाई उप मंत्री की टिप्पणियों को बताया 'बेतुका' और 'निराधार'

# शाह के खिलाफ कनाडा के आरोपों पर भारत खफा, राजदूत को तलब कर लगाई फटकार

*विदेश मंत्रालय ने भारत के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बारे में कनाडाई उप विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन द्वारा की गई टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताई। शनिवार को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस मामले पर चर्चा के लिए कनाडाई उच्चायोग के एक प्रतिनिधि को बुलाया गया था।*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस तरह के 'बेतुका और निराधार' आरोपों का दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर गंभीर असर पड़ेगा। यह बयान कनाडा के उप विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन द्वारा मंगलवार को लगाए गए उस आरोप के बाद आया है, जिसमें कहा गया था कि शाह ने कनाडा के अंदर सिख अलगाववादियों को निशाना बनाकर हिंसा, धमकी और खुफिया जानकारी जुटाने का अभियान चलाने का आदेश दिया था। मॉरिसन ने राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के कनाडाई संसद सदस्यों को यह भी बताया था कि उन्होंने 'वाशिंगटन पोस्ट' को शाह के नाम की पुष्टि की थी, जिसने (समाचार पत्र ने) सबसे पहले आरोपों के संबंध में रिपोर्ट प्रकाशित की थी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि यह खुलासा कि कनाडा सरकार के आला अधिकारियों ने भारत को बदनाम करने और अन्य देशों को प्रभावित करने की एक सोझी-समझी रणनीति के तहत अंतरराष्ट्रीय मीडिया को जानबूझकर निराधार आक्षेप लीक किए और यह केवल उस दृष्टिकोण की पुष्टि करता है, जो भारत सरकार वर्तमान कनाडाई सरकार के राजनीतिक एजेंडे और व्यवहार पैटर्न के बारे में लंबे समय से रखती आ रही है।

■ विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पत्रवार्ता में दी जानकारी

### कनाडा के पीएम ने भी की थी आपत्तिजनक टिप्पणी

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने एक साल पहले कहा था कि ओटावा के पास इस बारे में विश्वसनीय सबूत हैं कि जून 2023 में ब्रिटिश कोलंबिया में कनाडाई सिख कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंट शामिल थे। वहीं, इन आरोपों को बेतुका करार देते हुए भारतीय अधिकारियों ने लगातार इस बात से इंकार किया है कि कनाडा ने कोई सबूत मुहैया कराया है।

### भारत की चेतावनी

विदेश मंत्रालय ने कहा कि कनाडा सरकार के अधिकारियों ने भारत को बदनाम करने और अन्य देशों को प्रभावित करने के लिए जानबूझकर अंतरराष्ट्रीय मीडिया को बेबुनियाद आक्षेप लीक किए। इस तरह के गैरजिम्मेदाराना कृत्यों से द्विपक्षीय संबंधों पर गंभीर असर पड़ेगा।

### क्या है मामला?

दरअसल, कनाडा की राष्ट्रीय सुरक्षा और खुफिया सलाहकार नथाली ड्रोइन, उप-विदेश मंत्री डेविड मॉरीसन व कनाडा के संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के सदस्यों ने 'वाशिंगटन पोस्ट' की लीक रिपोर्ट की पुष्टि की। इसमें आरोप लगाया गया कि कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादियों को निशाना बनाने के अभियान के पीछे भारत के गृह मंत्री शाह का हाथ था। डेविड मॉरीसन ने एक सवाल के जवाब में कहा था कि उन्होंने वाशिंगटन पोस्ट को शाह के नाम की 'पुष्टि' की है। उन्होंने कहा, पत्रकार ने मुझे फोन करके पूछा कि क्या यह वही व्यक्ति है। मैंने पुष्टि की कि यह वही व्यक्ति है।

### भारतीय कंपनियां किसी कानून का उल्लंघन नहीं कर रहीं, व्यवस्थाओं का पालन कर रहे

**नई दिल्ली।** जायसवाल ने कहा कि भारत के पास रणनीतिक व्यापार और अप्रसार नियंत्रण पर एक मजबूत कानूनी और नियामक ढांचा है। हम तीन प्रमुख बहुपक्षीय अप्रसार निर्यात नियंत्रण व्यवस्थाओं- वासेनार व्यवस्था, ऑस्ट्रेलिया समूह और मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था के सदस्य भी हैं, और अप्रसार पर प्रासंगिक यूएनएससी प्रतिबंधों और यूएनएससी संकल्प 1540 को प्रभावी ढंग से लागू कर रहे विदेश मंत्रालय ने शनिवार को अमेरिका की ओर से कई भारतीय कंपनियों और नागरिकों पर हाल ही में लगाए गए प्रतिबंधों पर प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता के अनुसार भारतीय कंपनियों ने किसी भी राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन नहीं किया है।

# बैन में भी जमकर फोड़े पटाखे दिल्ली और एनसीआर के कई इलाकों में हवा हुई जहरीली

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

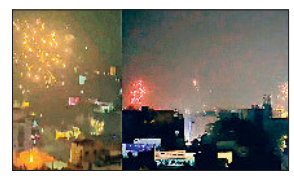

■ दावा तो यहां तक होता है कि सिर्फ पटाखों की वजह से प्रदूषण नहीं बढ़ता है, बल्कि असल कारण तो कुछ और ही रहते हैं

दिवाली पर पटाखों पर दिल्ली में बैन लगाया गया था, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दिल्ली-एनसीआर में किसी तरह के पटाखे फोड़ने की इजाजत नहीं थी। लेकिन दिवाली वाले दिन सारे नियम हवा-हवाई हो गए हैं। कोई बैन जमीन पर असर डालता नहीं दिख रहा। बात चाहे दिल्ली की हो, नोएडा की हो या फिर गाजियाबाद की, दनादन पटाखे फोड़े गए। ऐसे में दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में हवा 15 गुना ज्यादा खराब हो गई।

राजधानी दिल्ली में दिवाली वाले दिन प्रदूषण बेहद खराब वाली श्रेणी में जा पहुंचा है। आरके पुरम, ओखला, जहांगीरपुरी, पूसा, नेहरू नगर और पटपड़गंज जैसे इलाकों में पटाखे फोड़ने के कुछ घंटे बाद ही पीएम 2,5 की सांद्रता में चिंताजनक बढ़ोतरी देखी गई है। इसी तरह कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में जा चुका है, आशंका जाहिर की गई है कि शुक्रवार सुबह तक हालात और बिगड़ सकते हैं। अभी तक के जो आंकड़े सामने आए हैं, उनसे पता चलता है कि दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में हवा 15 गुना तक ज्यादा खराब हो चुकी है। अब नियमों की अनदेखी जरूर हो रही है, लेकिन कोई एक्शन होता नहीं दिख रहा। ऐसा ही हाल पिछले साल भी देखने को मिला था जब बैन के बावजूद लोगों ने दिवाली पर जमकर पटाखे फोड़े थे।

इसी तरह के ट्रेंड को देखते ही समाज का एक वर्ग मानकर चलता है कि दिवाली के समय पटाखों पर बैन लगाने का कोई मतलब नहीं है। दावा तो यहां तक होता है कि सिर्फ पटाखों की वजह से प्रदूषण नहीं बढ़ता है बल्कि असल कारण तो कुछ और ही रहते हैं।

### दिवाली की रात राष्ट्रीय राजधानी प्रदूषित

राजधानी दिल्ली की हवा एक बार फिर जहरीली हो गई है। यहां टाइम एयर क्वालिटी इंडेक्स देर रात 400 के पार चला गया। 1 नवंबर को सुबह करीब 6 बजे दिल्ली एक्यूआई 391 दर्ज किया गया। देश के 10 सबसे प्रदूषित शहरों की बात करें तो इनमें 9 उत्तर प्रदेश के हैं। यूपी के संभल में एक्यूआई सबसे ज्यादा 388 दर्ज किया गया। दिल्ली में दीपावली के दिन (31 अक्टूबर) शाम 5 बजे रियल टाइम एक्यूआई 186 रिकॉर्ड किया गया था। यानी 10-12 घंटों में ही हवा सामान्य से बेहद खराब कैटेगिरी में चली गई।

■ केरल में बड़ा हादसा

# ट्रेन की चपेट में आने से चार सफाई कर्मचारियों की मौत

एजेंसी ▶▶| पलक्कड़

केरल के पलक्कड़ जिले के शोरानूर रेलवे स्टेशन के पास शनिवार को तिरुवनंतपुरम जा रही केरल एक्सप्रेस की चपेट में आने से तमिलनाडु की दो महिलाओं सहित चार सफाई कर्मचारियों की मौत हो गई। रेलवे पुलिस ने यह जानकारी दी। यह हादसा आज अपराह्न 3.05 बजे तब हुआ जब रेलवे स्टेशन से कुछ किलोमीटर दूर स्थित शोरानूर पुल के पास रेल पटरी से कचरा साफ कर रहे सफाईकर्मी नई दिल्ली से तिरुवनंतपुरम जा रही ट्रेन की चपेट में आ गए। पुलिस के अनुसार, रेलवे द्वारा अनुबंध पर रखे गए सफाईकर्मी ट्रेन की टक्कर से पटरी से दूर जा गिरे।

तीन शव बरामद कर लिए गए हैं और चौथे का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके भरतपुझा नदी में गिरने का संदेह है। शोरानूर रेलवे पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, मजदूरों ने संभवतः आती हुई ट्रेन पर ध्यान नहीं दिया होगा, जिसके परिणामस्वरूप दुर्घटना हुई, लेकिन आगे की जांच जारी है।

### इधर, खाई में गिरी कार मां-बेटे समेत 3 की मौत

**जम्मू।** जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में एक कार के फिसलकर गहरी खाई में गिरने से एक महिला और उसके 10 महीने के बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई जबकि तीन व्यक्ति घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना चस्साना के पास चमालू मोड़ पर हुई। उन्होंने बताया कि कार मलिकोटे गांव से चस्साना की ओर जा रही थी, तभी चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया जिससे यह सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में कुलचा देवी (27), उनके 10 महीने के बच्चे नीरज सिंह और भतीजे संधूर सिंह (23) की मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने देवी के पति चंकार सिंह (32), रिश्तेदार धुनकर (19), अजय सिंह (18) को अस्पताल में भर्ती कराया। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

### केदारनाथ 'धाम' के आज बंद होंगे कपाट, गंगोत्री धाम के कपाट बंद

**देहरादून।** उत्तराखंड के हिमालय स्थित चार धाम, पंच बद्री और पंच केदार धामों के कपाट बंद होने का सिलसिला शनिवार से शुरू हो गया है। उत्तरकाशी जिले में स्थित गंगोत्री धाम के कपाट शनिवार को दोपहर 12:14 बजे बंद कर दिए गए। जबकि, यमुनोत्री धाम और केदारनाथ धाम के कपाट आज यानी रविवार को बंद होंगे। केदारनाथ धाम को कपाट बंद करने से पहले 10 क्विंटल फूलों से सजाया जाएगा। इसके अगले दिन, 4 नवंबर को तृतीय केदार, तुंगनाथ के कपाट भी बंद होंगे। बद्रीनाथ धाम के कपाट 17 नवंबर को बंद होंगे, जबकि द्वितीय केदार, मद्महेश्वर के कपाट 20 नवंबर को बंद होंगे। बाबा केदारनाथ और मां यमुना के धाम यमुनोत्री के कपाट आज भाईदूज के अवसर पर अभिजीत मुहूर्त में शीतकाल के लिए सुबह 8:30 बंद कर दिए जाएंगे।

*शीतकाल के लिए बंद हुई फूलों की घाटी : विश्व धरोहर फूलों की घाटी गुरुवार को को शीतकाल के लिए बंद कर दी गई है। घाटी में वन्य जीवों की सुरक्षा को देखते हुए पांच ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं। फूलों की घाटी हर साल एक जून को खोली जाती है। चमोली जनपद के उच्च हिमालयी भ्यूडार वैली में पुष्पावती नदी के दूसरे छोर पर स्थित नंदन कानन में इस साल अच्छी तादाद में पर्यटक पहुंचे।*

# डीएपी की कमी से किसान परेशान बीजेपी मना रही जश्न : सैलजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

■ सांसद ने लगाए आरोप, कहा- डीएपी खाद न मिलने से प्रदेश में हो रही गेहूं की बिजाई प्रभावित

कांग्रेस महासचिव एवं सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा में इन दिनों डीएपी खाद की किल्लत के कारण किसान भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि राज्य की बीजेपी सरकार ने समय रहते डीएपी का प्रबंध नहीं किया बल्कि जीत के जश्न में डूबी हुई है। किसानों की परेशानी से बीजेपी को जरा भी सरोकार नहीं है।

किसानों की हितैषी बताने वाली बीजेपी सरकार को गेहूं की बिजाई के समय में डीएपी उपलब्ध करा कर किसान विरोधी सरकार होने का प्रमाण दे रही है। सैलजा ने शनिवार को एक बयान में कहा कि डीएपी न मिलने के चलते गेहूं की बिजाई प्रभावित हो रही है। जिन किसानों ने खेतों की सिंचाई कर रखी है उनको समय पर डीएपी खाद न मिलने के कारण अब दोबारा से सिंचाई करनी पड़ेगी जिससे गेहूं की बिजाई लेट हो जाएगी। गेहूं की बिजाई अब जितनी लेट होगी उत्पादन पर भी उतना ही असर पड़ेगा। जिस कारण किसानों को और ज्यादा आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा।

### तीन से चार हफ्ते की देरी

सैलजा ने कहा कि बीजेपी ने किसानों को बिजाई के समय में बीजेपी ने वंचित रख कर उनको आर्थिक तौर पर नुकसान पहुंचाने का भी काम किया है। अब किसानों को सिंचाई के लिए दोबारा से डीजल की खपत करनी पड़ेगी। गेहूं की बिजाई तीन से चार सप्ताह लेट होगी। इससे उत्पादन कम होगा। किसानों को होने वाले नुकसान पर चिंता न जता कर बीजेपी नेता जश्न मनाने में मशगूल है।

### खड़गे के पीएम मोदी के खिलाफ लगाए आरोपों पर भाजपा ने किया पलटवार

# भाजपा ने कांग्रेस को लिया आड़े हाथों, सुधांशु ने लगाए कई आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भाजपा ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी सत्ता में आने पर देश से धन लूटने और लोगों को बुनियादी सुविधाओं से वंचित करने का काम करेगी। भाजपा सांसद एवं पार्टी के प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी शनिवार को नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में उपरोक्त आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने जो कहा, उससे साफ पता चलता है कि धन, जो लोगों की संपत्ति और समृद्धि होनी चाहिए, अगर कांग्रेस के हाथों में चली जाए, तो यह आपदा बन जाती है।

ज्ञात हो कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने एक बयान में 'मोदी की गारंटी' को 140 करोड़ भारतीयों के साथ किया गया क्रूर मजाक करार दिया। खड़गे ने इस दौरान पीएम मोदी पर झूठ बोलने और छल-कपट करने के आरोप भी लगाए। इतना ही नहीं खड़गे ने यह भी कहा था कि भारतीय जनता पार्टी का मतलब ही विश्वासघात और जुमला है। खड़गे के इसी बयान को लेकर बीजेपी अब कांग्रेस पर पूरी तरह से हमलावर है।

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने मीडिया से कहा कि एक महात्मा गांधी की कांग्रेस थी और एक अर्बन नक्सल से प्रभावित राहुल गांधी की कांग्रेस है। उन्होंने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे ने यही कांग्रेस देखी है तभी वह ऐसा कह रहे हैं। त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस जब भी सरकार में आती है तो अपने साथ गरीबी को लेकर आती है। उन्होंने कांग्रेस शासित राज्यों, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना का जिक्र करते हुए कहा कि वहां का हाल देख लीजिए। कांग्रेस जो भी वादे करती है पूरे नहीं करती और कांग्रेस के अच्छे दिन चले गए हैं। कर्नाटक में हमारे समय में सर्वाधिक निवेशक थे लेकिन अब वह वहां से जा रहे हैं।

### पीएम मोदी की गिनाईं उपलब्धियां

उन्होंने कहा कि गारंटी के मुद्दे पर कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि पीएम मोदी ने 2014 में जनधन योजना शुरू की थी तब कांग्रेस ने कहा था कि इसमें पैसा कहां से आएगा। आज इन खातों में 2 लाख करोड़ रुपए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वच्छता के लिए अभियान शुरू किया। आज हर कोई देख रहा है कि लोग इसे लेकर कितने जागरूक हैं। आज इस देश में डिजिटल पेमेंट हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि हमने धारा 370 हटाने का वादा किया था और हमने वो किया। हमने राम मंदिर का वादा किया था और हमने वो किया. बीजेपी ने अपनी सारी गारंटी पूरी की है।

### कांग्रेस के समय में मुंबई पर हमला

भाजपा प्रवक्ता त्रिवेदी ने मुंबई हमले का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस के समय में मुंबई पर हमला हुआ था। पहले देश में हर जगह ब्लास्ट होते रहते थे। लेकिन अब हम आतंकी हमलों का मुंहतोड़ जवाब देते हैं। इसके साथ ही उन्होंने राजीव गांधी के एक रुपए भेजने वाले बयान की बात करते हुए कहा कि इनके समय में भ्रष्टाचार आम था। लेकिन पीएम मोदी के आने के बाद से कांग्रेस भ्रष्टाचार नहीं कर पा रही है।

रायपुर
रविवार, 3 नवंबर 2024
कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वितीया
वर्ष : 23, अंक : 107
पृष्ठ : 10+4 = 14 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 34.4
न्यून. 21.6

# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

**आईपीएल के अगले सत्र के लिए पंजाब किंग्स ने छत्तीसगढ़ क्रिकेट टीम के शशांक सिंह को किया रिटेन**

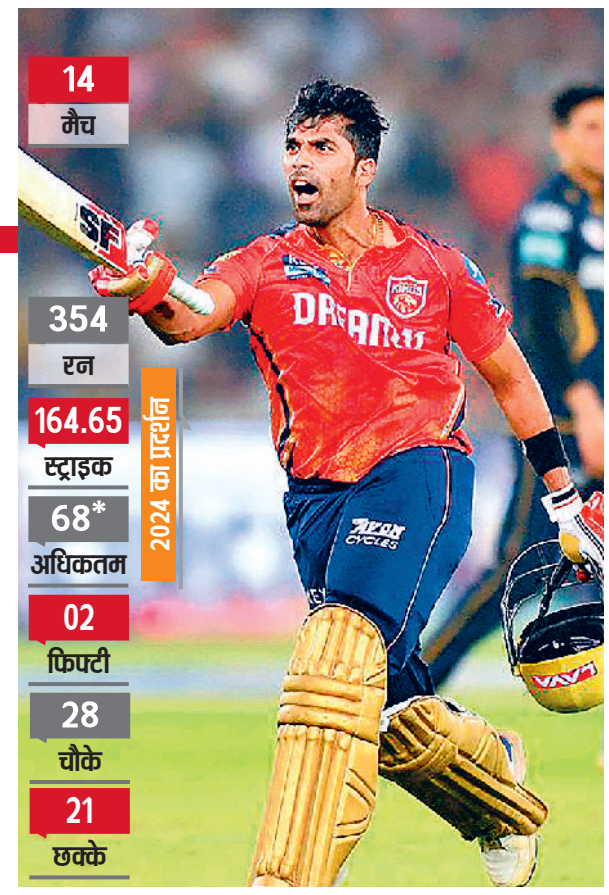


*आईपीएल के नए सत्र को लेकर फ्रेंचाइजी टीमों ने खिलाड़ियों को रिटेन कर लिया है। इसमें पंजाब किंग्स ने छत्तीसगढ़ क्रिकेट टीम के ऑल राउंडर शशांक सिंह को इस बार 5.5 करोड़ में रिटेन किया है। पिछली बार पंजाब ने 20 लाख के बेस प्राइस पर खरीदा था, जिसके बाद शशांक ने अपनी शानदार प्रदर्शन से सभी को चकित कर दिया था।*

# शशांक पर फिर पंजाब का भरोसा, फीस 20 लाख से सीधे पांच करोड़ से ज्यादा पहुंची, कहा- उम्मीद नहीं थी

**हरिभूमि से बातचीत में शशांक ने कहा- पिछले साल आईपीएल के बाद रणजी में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर जताया है भरोसा**

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पंजाब ने एक बार फिर से शशांक पर भरोसा जताया है। हरिभूमि से बातचीत में शशांक ने बताया कि मुझे उम्मीद नहीं थी कि फ्रेंचाइजी मुझे रिटेन करेगी। दो सालों से उम्मीद छोड़ चुका हूं, केवल अपना क्रिकेट बेहतर कर रहा हूं। उनका कहना है कि आईपीएल 2025 में शानदार खेल दिखाकर टीम के मालिकों के सामने साबित कर करूंगा कि उनका फैसला सही था। पिछले सत्र में पंजाब किंग्स के लिए शशांक ने 'फिनिशर' के रूप में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 164.65 के स्ट्राइक रेट से 354 रन बनाए थे और टीम के शीर्ष रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। शशांक 'अनकैप्ड' खिलाड़ी हैं यानी भारत के लिए अभी तक उन्होंने नहीं खेला है।

खास खबर

### गलती से बने थे टीम का हिस्सा

आईपीएल 2024 के लिए पंजाब किंग्स ने शशांक को 20 लाख रुपये के बेस प्राइस पर खरीदा था। इसके बाद दावा किया गया कि टीम ने उन्हें गलती से खरीदा, क्योंकि नीलामी की लिस्ट में इसी नाम का एक और खिलाड़ी था। हालांकि, शशांक ने इन बातों को दरकिनार करते हुए पिछले संस्करण में धमाल मचाया और टीम प्रबंधन का दिल जीत लिया।

### बॉलिंग और बैटिंग दोनों में मेहनत जारी

शशांक ने बताया कि रणजी में छत्तीसगढ़ की ओर से बेहतर प्रदर्शन के आधार पर भी पंजाब किंग्स ने मुझ पर भरोसा जताया है। रणजी में विकेट निकालने में कामयाब रहा। अच्छी बल्लेबाजी भी रही थी। आईपीएल को लेकर बॉलिंग और बैटिंग दोनों में काफी मेहनत कर रहा ⏭शेष पेज 4 पर

*पटाखा फोड़ने को लेकर विवाद सरपंच पति सहित 16 गिरफ्तार*

# कबीर पंथ के आश्रम में उपद्रवियों ने की पत्थरबाजी, फेंके पटाखा बम

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिमगा

पटाखा फोड़ने के विवाद को लेकर कबीर पंथ के आश्रम में उपद्रवियों द्वारा पत्थरबाजी कर पटाखाबम फेंके गए। घटना के बाद से गांव में तनाव की स्थिति है, पुलिस ने 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रकरण में सरपंच पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, वहीं परिवार के अन्य सदस्य फरार बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार कबीर धर्म नगर दामाखेड़ा में दीपावली की रात कबीर पंथ के गुरु प्रकाश मुनि साहेब के आश्रम में पटाखा फोड़ने को लेकर बड़ा विवाद हो गया। इस दौरान उपद्रवियों ने आश्रम के अंदर बम फेंका और पत्थरबाजी भी की। घटना की गंभीरता को देखते हुए गृहमंत्री विजय शर्मा और पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा, विधायक इन्द्र साव सहित बलौदाबाजार के एसपी विजय अग्रवाल रात में ही आश्रम पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

### यह हुई घटना

सिमगा पुलिस के अनुसार 1 नवंबर की रात लगभग 9.45 बजे कुछ आरोपी लाठी, डंडा और बम पटाखों के साथ आश्रम में जबरदस्ती प्रवेश कर गए तथा जान से मारने की धमकी देते हुए अश्लील गालियां देने लगे। इसके साथ ही उन्होंने बम पटाखा फेंक दिए। इसके साथ ही पत्थरबाजी भी की। उक्त घटना के बाद पुलिस ने धारा 191(2), 191(3), 190, 331, 296, 351(3), 298 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल दामाखेड़ा आश्रम में सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात किया गया है और स्थिति नियंत्रण में है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

### फरार आरोपियों की तलाश की जा रही

कुछ ग्रामीणों ने हुज्जत-बाजी की है। आश्रम के अंदर बम-पटाखे फेंके गए हैं। पटाखे जलाने को लेकर ग्रामीणों और उदित मुनि के बीच विवाद हुआ था। कुछ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। अभी स्थिति नियंत्रण में है।

-ऐश्वर्य चंद्राकर, एसडीओपी

### अब तक इनकी हो चुकी गिरफ्तारी

पुलिस ने अभी तक 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें दुर्गेश देवांगन, भुवनेश्वर देवांगन, प्रताप साहू, हरि साहू, अजय साहू, राकेश कुमार ध्रुव, चांद कुमार ध्रुव, आशीष कुमार ध्रुव, रामअवतार ध्रुव, अर्जुन निर्मलकर, देवलाल मोनू वर्मा, पूरन देवांगन, किशन देवांगन, दुजराम देवांगन, ओमप्रकाश देवांगन, रेखा देवांगन को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है। इसके साथ ही 1 किशोर बालक के विरुद्ध विधिवत कार्रवाई की गई है।

*एक महिला व बच्ची समेत 7 लोग थे सवार चालक को बचाया गया*

# अनियंत्रित होकर डबरी में गिरी स्कॉर्पियो, डूबकर छह की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजपुर

कुसमी के ग्राम लरिमा में शनिवार की रात एक भीषण सड़क दुर्घटना में स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे डबरी में गिर गई। इस घटना में एक बच्ची समेत 6 लोगों की मौत हो गई। चालक को पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। इस घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है लेकिन तेज रफ्तार की वजह से दुर्घटना होने की बात कही जा रही है। वहीं, सूचना पर विधायक उदेशवरी पैकरा भी घटनास्थल पर पहुंच गई थीं। बताया जा रहा ⏭शेष पेज 4 पर

### अम्बिकापुर की ओर जा रहे थे

*घटना के में बचाए गए चालक की हालत भी गंभीर बनी हुई है। इसलिए अब तक सही जानकारी सामने नहीं आई लेकिन बताया जा रहा है चालक समेत 7 लोग स्कॉर्पियो से कुसमी से अम्बिकापुर की ओर जा रहे थे और सीधी सड़क पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो से चालक ने नियंत्रण खो दिया। घटना में मरने वालों की पहचान* ⏭शेष पेज 4 पर

### इनकी हुई मौत

चंद्रावती पति संजय मुंडा
कृति पिता संजय मुंडा
संजय मुंडा पिता वासुदेव
उदयनाथ पिता रामेश्वर
मंगल दास पिता धनश्याम मुंडा
भूपेंद्र पिता हरिलाल

### जांच की जाएगी

लड़ुआ मोड़ में स्कोर्पियो अनियंत्रित होकर गिर गई थी। चालक को किसी तरह बचा लिया गया है लेकिन शेष 6 लोगों की मौत हो गई है। परिजन को सूचित किया जा रहा है। इस मामले की जांच की जाएगी।

-वैभव बैकर, एसपी, बलरामपुर

### सूरजपुर जाने निकला था परिवार

*बताया जा रहा है कि मृतक कुसमी के ग्राम लरिमा के रहने वाले थे और स्कॉर्पियो बुकिंग कर सूरजपुर जा रहे थे। घटना के दौरान वाहन के दरवाजे लॉक होने के कारण वे बाहर नहीं निकल पाए। मृतकों में एक ही परिवार के चार लोग शामिल होने की बात कही जा रही है। हादसे में चालक बालेश्वर प्रजापति गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल रिफर किया गया है।*

## खबर संक्षेप

### सत्र 25 से, वन नेशन वन इलेक्शन पर बिल

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक आयोजित होने की जानकारी सामने आई है। सत्र संसद की पुरानी इमारत के केंद्रीय हॉल में शुरू होने की संभावना है। सत्र में कई अहम बिलों पर चर्चा होगी। शीतकालीन सत्र के दौरान वन नेशन-वन इलेक्शन और वक्फ विधेयक बिल पर भारी हंगामा होने के कयास लग रहे हैं। सूत्रों की मानें तो वन नेशन-वन इलेक्शन पर रिपोर्ट को कैबिनेट की मंजूरी के बाद इस बिल को शीतकालीन सत्र में पेश किया जाएगा।

### पाकिस्तानी कमांडर समेत 3 आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर और अनंतनाग जिलों में सुरक्षा बलों ने दो अलग-अलग मुठभेड़ों में बड़ी कामयाबी हासिल की। प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक शीर्ष पाकिस्तानी कमांडर और दो अन्य आतंकवादियों को ढेर कर दिया। लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर की पहचान उस्मान के रूप में हुई है। वह कई वर्षों से घाटी में सक्रिय था और निरीक्षक मसरूर वानी की हत्या में भी शामिल था।

### दो वाहनों की टक्कर में छह की मौत, 5 घायल

सुंदरगढ़। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में वाहन के ट्रक से टकरा जाने से छह लोगों की मौत हो गई। हादसे में पांच लोग घायल हो गए। दुर्घटना हेमगिरि पुलिस थाने के अंतर्गत गायकनापाली इलाके के पास हुई। यात्रियों को ले जा रही एक वैन ट्रक से टकरा गई थी। कीर्तन समूह के छह सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। ऐसा संदेह है कि इलाके में धुंध के कारण यह दुर्घटना हुई 'कीर्तन' पार्टी दिवाली के अवसर पर एक कार्यक्रम के लिए चक्कपलाई गांव गई थी।

**संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने मथुरा में कहा, 'यह सही है कि यदि हम (हिन्दू समाज) जाति, भाषा या प्रांत के भेद से बटेंगे, तो निश्चित रूप से कटेंगे, इसीलिए हिन्दू समाज में एकता आवश्यक है।' होसबोले की यह बात यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के 'बंटेंगे तो कटेंगे' बयान का ही समर्थन है। बांग्लादेश, पाकिस्तान, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान आदि मुल्कों में हिंदुओं पर जिस तरह से अलग अलग तरीके से प्रहार हो रहे हैं, भारत के अंदर हिंदुओं को लेकर जिस तरह के नैरेटिव गढ़े जा रहे हैं, राजनीतिक जमीन के लिए जातिगत खाई बढ़ाई जा रही है, उसे देखते हुए संघ की बातों में सार्थकता है। कुछ लोगों को यह एक खोखला विषय लगता है कि हिन्दू खतरे में है और उसे एक होना चाहिए। किन्तु आज भारतीय समाज अंतर्बाह्य चुनौतियों एवं संकटों से घिरा है। परवर्ती काल में आदि-शंकराचार्य भी अपने ढंग से इसी हिन्दू एकता का कार्य कर रहे थे। भारत में मुस्लिम आक्रांताओं के आने से हिंदुओं पर अत्याचार और विभाजित हिंदू समाज का बड़े पैमाने पर धर्मांतरण हुआ। इसीलिए भक्ति की जो अलख उस समय जगी उसमें कवियों ने एकता की बात पर जोर दिया। संघ हमेशा से हिंदू एकता पर काम करता रहा है, हमें एकता का प्रयत्न करना होगा इसे आचरण में लाना है। संघ के हिंदू एकता पर जोर देने का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...**

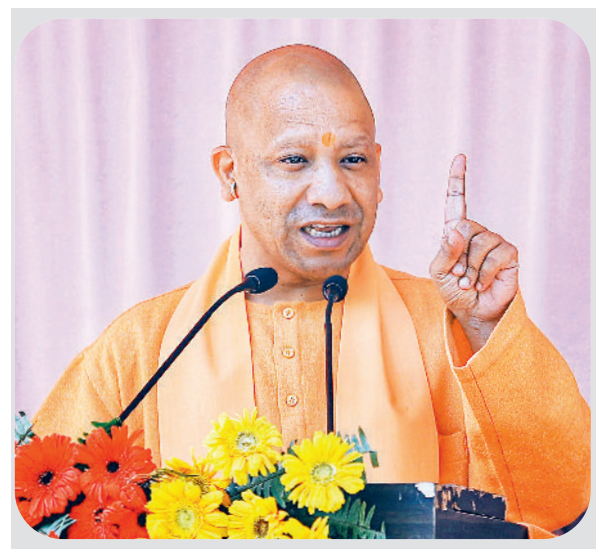

# विश्व कल्याण के लिए हिन्दू एकता जरूरी

**विश्लेषण**

प्रो. निरंजन कुमार

सीनियर प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय

**हिन्दू एकता लोक कल्याण के लिए है। अपने को बचाए रखने और दूसरों का भी मंगल करने के लिए हिन्दू एकता आवश्यक है, इसीलिए हम यह एकता बनाए रखना चाहते हैं। यह केवल कह देने से ही नहीं होगा। इसके लिए प्रयत्न करने पड़ते हैं। हमें इसे आचरण में लाना पड़ता है। वहीं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका और बांग्लादेश समेत विश्व भर में हिंदुओं के मानवाधिकारों पर चिंता जताई। उधर, बांग्लादेश में लगातार हिंसा और अत्याचार सह रहे हिन्दुओं ने जुल्म के खिलाफ आवाज उठाते हुए चटगांव में विशाल रैली का प्रदर्शन किया तो उत्तरी अमेरिका के हिंदुओं के गठबंधन (सीओएचएनए) ने कहा कि कनाडा में हिंदू फोबिया अपने चरम पर है।**

मथुरा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के प्रेस कॉन्फ्रेंस, अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हिंदुओं को लेकर दिए गए वक्तव्य, बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार की हालिया घटनाओं के बाद चटगांव में हिंदुओं की बड़ी रैली तथा उत्तरी अमेरिका के हिंदुओं के गठबंधन (सीओएचएनए) का कनाडा की स्थिति पर बयान; इनमें क्या समानता है? यह जानकर आपको भयमिश्रित आश्चर्य होगा कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में, अलग-अलग दिखने वाली ये चारों स्थितियां दुनिया में हिन्दुओं की चिंताजनक हालात का बयान कर रहे हैं। एक दिलचस्प संयोग है कि ये चार चीजें दिवाली के आसपास घटित हुईं। यह सर्वविदित है कि दिवाली त्योहार प्रभु श्रीराम द्वारा रावण को हराकर वापस आने के बाद हुए राज्याभिषेक के उपलक्ष्य में मनाई जाती है। यहां एक दिलचस्प सवाल उठता है कि उपरोक्त चार घटनाओं का 'रामराज्य या राम-रावण युद्ध' से क्या कोई संबंध बनता है?

## 'बंटेंगे तो कटेंगे' वाली बात का समर्थन

दत्तात्रेय होसबाले ने मथुरा में कहा, 'यह सही है कि यदि हम (हिन्दू समाज) जाति, भाषा या प्रांत के भेद से बटेंगे, तो निश्चित रूप से कटेंगे, इसीलिए हिन्दू समाज में एकता आवश्यक है।' उन्होंने कहा,'हिन्दू एकता लोक कल्याण के लिए है। अपने को बचाए रखने और दूसरों का भी मंगल करने के लिए हिन्दू एकता आवश्यक है, इसीलिए हम यह एकता बनाए रखना चाहते हैं।' उन्होंने आगे कहा कि यह केवल कह देने से ही नहीं होगा। इसके लिए प्रयत्न करने पड़ते हैं। हमें इसे आचरण में लाना पड़ता है। वहीं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका और बांग्लादेश समेत विश्व भर में हिंदुओं के मानवाधिकारों पर चिंता जताई। उधर, बांग्लादेश में लगातार हिंसा और अत्याचार सह रहे हिन्दुओं ने जुल्म के खिलाफ आवाज उठाते हुए चटगांव में विशाल रैली का प्रदर्शन किया तो उत्तरी अमेरिका के हिंदुओं के गठबंधन (सीओएचएनए) ने कहा कि कनाडा में हिंदू फोबिया अपने चरम पर है और हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ ठोस कदम उठाने की जरूरत है। इसके साथ ही पूरे पाकिस्तान और अफगानिस्तान या स्वयं भारत के कुछ हिस्सों में हिन्दुओं को कठिन स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी ही घटनाओं को देखते हुए ही हाल में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि 'बंटेंगे तो कटेंगे'। इस कथन पर तथाकथित सेक्युलर राजनीतिक दलों और लेफ्ट- लिबरल तथाकथित बुद्धिजीवियों ने अपनी स्वाभाविक प्रतिक्रिया दी। किन्तु यह बात पूर्णतः सत्य है कि अतीत या वर्तमान में भी जब हम बंटे तो हमारा उत्थान रुका। इसीलिए मथुरा में संघ सरकार्यवाह होसबाले ने सीएम

योगी की 'बंटेंगे तो कटेंगे' वाली बात का समर्थन करते हुए कहा कि वास्तव में बंटेंगे तो कटेंगे का अर्थ 'एकता की आवश्यकता है। कुछ पहले महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा था कि 'हम बंटेंगे तो बांटने वाले महफिल सजाएंगे'। विजयदशमी के दिन स्वयं आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने भी अपने उद्बोधन में हिंदुओं के एक होने की बात कही। उन्होंने भी कहा कि जाति, भाषा, प्रान्त आदि के आधार पर टकराव उत्पन्न करने की कोशिशें देश में लगातार की जा रही हैं।

## वास्तविकता से मुंह नहीं मोड़ सकते

आज जब इस प्रकार हिंदुओं के एक होने की बात बड़े-बड़े मंचों से उठाई जा रही है तो निश्चित रूप से इस विषय को गम्भीरता से लेने की आवश्यकता है। कुछ लोगों को यह एक खोखला विषय लगता है कि हिन्दू खतरे में है और उसे एक होना चाहिए। किन्तु वास्तविकता से मुंह मोड़ा नहीं जा सकता। ऐसा नहीं है कि ऐसा कुत्सित प्रयास वर्तमान में ही हो रहा है। पूर्व में भी अनेक आक्रांताओं और अंग्रेजों ने इस तरह के षड्यंत्र किए और कुछ हद तक उसमें सफल भी हुए। आज के दौर में कुछ लोग 'हिन्दू' शब्द को साम्प्रदायिकता के चश्मे से देखते हैं, इसीलिए जब भी हिन्दू हित या हिंदुओं की रक्षा की बात कहीं उठती है तो एक खास वर्ग उस पर बेहद तीखी प्रतिक्रिया देता है। हालांकि हिन्दू शब्द की अनेक व्याख्याएं की जाती रही हैं, अंग्रेजों ने इस शब्द की जो व्याख्या की वह वास्तव में ग्राह्य नहीं है। व्यापक रूप से इसे देखें तो वस्तुतः हिमालय से समुद्र पर्यन्त विस्तृत भू-भाग में जन्मी उपासना पद्धति (यों) को मानने वाले 'हिन्दू' हैं। यहां यह समझना जरूरी है कि केवल सनातन धर्म के अनुयायी ही हिन्दू नहीं कहलाते। अपितु जैन, बौद्ध मतों को मानने वाले भी हिन्दू ही हैं। भारतीय कानून के अनुसार भी 'हिंदू' एक वृहत अवधारणा है जिसके अंतर्गत हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन के अतिरिक्त वीरशैव, लिंगायत,ब्रह्मो, प्रार्थनाया आर्य समाज के अनुयायी आदि सभी शामिल हैं। इनका मूल आधार यही भूभाग है। इन भारतीय मतों का उदय मूलतः सनातन से ही हुआ और आज इन्हें हिन्दू धर्म की शाखाओं या मत के रूप में देखा जा सकता है। यह महत्वपूर्ण है कि इन सभी मतों को मानने वालों में विविधता के बावजूद पुरातन काल से ही एकता रही है। सुप्रीम कोर्ट ने तो हिंदू को एक जीवन शैली ही कहा है, जो केवल धार्मिक चश्मे से ही नहीं देखा जा सकता है। हिंदू, हिंदुत्व भारतीय वाङमय में रचे बसे हैं।

## हमें अपने अतीत से सीखना चाहिए

कालांतर में कुछ लोगों ने इस एकता को भंग करने का प्रयास किया और कुछ लोग आज भी हिन्दू एकता को खंडित करने का प्रयास कर रहे हैं। हम अक्सर सुनते हैं कि हमें अपने अतीत से सीखना चाहिए। आज यह बात अधिक प्रासंगिक प्रतीत होती है। उदाहरण के लिए यदि हम प्राचीन भारतीय परंपरा को देखें तो अनेक ऐसे प्रसंग मिलते हैं जहां जाति, पंथ, उपासना पद्धति के अलग होने के बावजूद सामाजिक समरसता दिखाई देती है। पौराणिक इतिहास को देखें तो रावण जैसे शक्तिशाली किन्तु दुष्ट का अंत करने वाले श्रीराम को समाज के प्रत्येक वर्ग का सहयोग मिला। श्रीराम के मित्र निषादराज केवट तथाकथित 'जातिक्रम में नीचे' के अंतर्गत आते हैं। शबरी भीलनी आज के समय में जनजाति समाज की हैं। श्रीराम की सेना में जो वानर आदि थे वे, वास्तव में उस समय के जंगलों में रहने वाले प्राणी थे। यह चर्चा यहां इसलिए आवश्यक है कि रामकथा में वास्तव में भारत की आत्मा बसती है और रावण पर विजय प्राप्त करने के लिए राम की सेना में सभी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यहां सर्वाधिक महत्वपूर्ण बिंदु है उन सभी की एकता।

## हिंदू समाज का बड़े पैमाने पर धर्मांतरण हुआ

परवर्ती काल में आदि-शंकराचार्य भी अपने ढंग से इसी हिन्दू एकता का कार्य कर रहे थे। भारत में मुस्लिम आक्रांताओं के आने से हिंदुओं पर अत्याचार और विभाजित हिंदू समाज का बड़े पैमाने पर धर्मांतरण हुआ। इसीलिए भक्ति की जो अलख उस समय जगी उसमें कवियों ने एकता की बात पर जोर दिया। 'जाति पांति पूछे नहिं कोई' जैसे वाक्यों के माध्यम से हमारे सन्त-भक्त हिंदुओं को जाति, पंथ आदि के आधार पर न बंटने का सन्देश ही दे रहे थे। आधुनिक युग में स्वामी विवेकानंद का भी एक उद्धरण है कि जब पहली बार हिन्दुस्तान पर मुस्लिम आक्रांताओं ने हमला किया था तो उस समय देश में हिंदुओं की आबादी 60 करोड़ थी। सोचने वाली बात है कि लगभग 1200 वर्षों के बाद जब 1947 ई. में भारत आजाद हुआ तब हिंदुओं की आबादी लगभग आधी रह गई थी। हिंदुओं की आबादी का आधा हो जाना अनेक प्रश्न खड़े करता है। पाकिस्तान, बांग्लादेश,अफगानिस्तान में तो हिन्दुओं की संख्या में भारी गिरावट हो रही है। पाकिस्तान, अफगानिस्तान या बांग्लादेश जैसी स्थिति भारत में न बने, इसके लिए जरूरी है कि जाति, भाषा, मत, क्षेत्र आदि की विविधता के बावजूद सभी हिंदुओं में एकता की भावना होनी चाहिए। क्योंकि यह उनके अस्तित्व का सवाल है। आज भारत में इस्लामी आतंकवाद के साथ-साथ पूर्वोत्तर एवं जनजातीय क्षेत्रों में चर्च द्वारा प्रायोजित ईसाई मतान्तरण और अलगाववाद भी अपने चरम पर है। ये शक्तियां मिलकर अंदर ही अंदर भारत को खोखला करने का कार्य कर रही हैं।

## समरसता का विचार अपनाना होगा

आज हिन्दू एकता भारत ही नहीं विश्व के लिए भी बहुत जरूरी है। दत्तात्रेय होसबाले प्रकारांतर से कहते हैं कि यह सर्व मंगल मांगल्ये या 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः' अर्थात विश्व कल्याण के लिए है, न कि किसी खास मजहब या रिलिजन तक ही संकुचित है लेकिन होसबाले ने यह भी कहा कि कि यह एकता केवल कह देने से ही नहीं होगा। इसके लिए प्रयत्न करने पड़ते हैं। हमें इसे आचरण में लाना पड़ता है। यानी सभी हिन्दुओं को ऊंच-नीच, बड़ा-छोटा, जाति, पंथ, भाषा, क्षेत्र आदि संकीर्णता से ऊपर उठकर समरसता के उस विचार को अपनाना होगा जो स्वयं कभी प्रभु श्रीराम ने दिखाया था। यही समय की मांग और जरूरत है।

# संघ के तौर-तरीकों को समझना जरूरी

**विमर्श**

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की दो दिवसीय बैठक के बाद मीडिया की सुर्खियां बनी कि संघ ने बंटेंगे तो कटेंगे वाले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान का समर्थन किया। संघ पिछले 99 वर्षों से हिंदू समाज की एकता के लक्ष्य पर काम कर रहा है तो इस वक्तव्य का समर्थन न करने का कोई कारण नहीं। मथुरा के दीनदयाल गो विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र, गऊ ग्राम परखम में आयोजित दो दिवसीय बैठक के समापन अवसर पर संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसाबोले से पत्रकार वार्ता में यह प्रश्न किया गया था। उन्होंने कहा कि चाहे भाषा जो भी प्रयोग की जाए, यह सच है।

संघ हमेशा से हिंदू एकता पर काम करता रहा है, हमें एकता का प्रयत्न करना होगा इसे आचरण में लाना है। हम जाति, भाषा, प्रांत, अगड़े, पिछड़े में बटेंगे तो कटेंगे। हिंदू समाज की एकता संघ के लिए जीवन वृत्त है। हम इसके लिए आग्रहपूर्वक कहेंगे और करेंगे भी। जिस तरह मीडिया ने इसे चुनाव और राजनीति की दृष्टि से भाजपा की टैगलाइन का अनुसमर्थन साबित किया। गहराई से देखें तो दत्तात्रेय ने व्यापक संदर्भों में बात की। इस संदर्भ में उनकी अगली पंक्तियां भी महत्वपूर्ण हैं- अपने को बचाए रखने और दुनिया का मंगल करने के लिए हम हिंदू एकता चाहते हैं।

## हिंदू एकता बड़ी ताकत बनेगी

हिंदू एकता लोक कल्याण और सबको सुख प्रदान करने वाली। यानी हिंदू एकता का लक्ष्य किसी मजहब, पंथ या देश का विरोध नहीं बल्कि संपूर्ण मानवता का कल्याण और विश्व का मंगल है। वह एक नहीं रहेंगे तो स्वयं कटेंगे, विश्व के लिए भी अमंगलकारी होगा। इसलिए राजनीति और वोट की दृष्टि से इसका महत्व है, क्योंकि विपक्षी पार्टियों और भारत विरोधी आंतरिक और बाहरी शक्तियों ने जाति के आधार पर बांटकर अपना राजनीतिक, आर्थिक और अन्य लक्ष्य पाने की रणनीति अपनाया हुआ है। भारत विरोधी शक्तियों ने यह समझा है कि हिंदू अगर जातियों से ऊपर उठकर हिंदू के रूप में विचार करने लगा तो भारत को विश्व की प्रमुख महाशक्ति और प्रभावी देश बनने से नहीं रोका जा सकता।

ऐसा हो गया तो वो अपने स्वार्थों को पूरा करने वाली जैसी विश्व व्यवस्था बनाए रखना चाहते हैं, नहीं रह जाएगा। इसलिए यह कामना कि हिंदू समाज एक होकर सोचें, चुनावों के दौरान मतदान करें तथा जाति, प्रांत, भाषा में न बंटे, यह भारत के हित में ही है। दत्तात्रेय के वक्तव्य में राजनीति और चुनाव की बात नहीं थी। यह हो भी नहीं सकती क्योंकि जिन लोगों ने निष्पक्षता से संघ को देखा व अध्ययन किया है उन्हें पता है कि मीडिया और हम विचार केंद्र में जिस तरह वोट और राजनीति को सर्वोपरि रखते हैं वैसा संघ में होता नहीं।

## पंच परिवर्तन का मुद्दा अहम

पत्रकार वार्ता में होसाबोले ने कहा कि पिछले मार्च में हुई प्रतिनिधि सभा की समीक्षा की गई। शाखा में आने वाले व हर समूह के कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण वर्ग आयोजित होता है, इस वर्ष कार्यकारी मंडल बैठक से पूर्व दो दिन का प्रांत टोली का प्रशिक्षण वर्ग हुआ। वर्तमान संदर्भ और

संघ से जुड़े विविध आयामों के कार्य विस्तार पर चर्चा के साथ आने वाले दिनों में हमें क्या-क्या करना है, नये विचार कैसे जुड़ेंगे, समाज के नये व्यक्तियों को कैसे जोड़ना है, विभिन्न आयु वर्ग के लोगों को जोड़ना और जुड़े हुए लोगों से कार्य विस्तार कैसे हो, इसकी भी चर्चा बैठक में हुई है। संघ 99 वर्ष पूर्ण करते हुए शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर चुका है। शताब्दी की दृष्टि से तत्काल संघ पंच परिवर्तन का मुद्दा लेकर समाज के बीच जा रहा है। पंच परिवर्तनों में स्व आधारित जीवन शैली, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण और नागरिक कर्तव्य शामिल हैं।

यह ऐसा विषय है जिस पर केंद्रित होकर भारत का कोई संगठन काम नहीं करता। समस्या यह है कि हमारे राजनीतिक दल, मीडिया तथा बुद्धिजीवियों और एक्टिविस्टों का बहुत बड़ा वर्ग अज्ञानता , निहित स्वार्थों या संकुचित दृष्टि के कारण संघ की आलोचना करता है और संघ खंडन या स्पष्टीकरण में पड़ने की जगह लक्ष्य के अनुरूप काम करता रहता है। होसाबोले ने सही कहा कि संघ के कार्य का मूल आधार है शाखा। जहां शाखा नहीं लगती वहां मासिक संघ मंडली का काम है। 27 अक्टूबर को क्षेत्र प्रचारकों व प्रांत प्रचारकों की बैठक हुई जिसमें पंच परिवर्तन के विषय को समाज के अंतिम पायदान पर कैसे पहुंचाया जाए इसका लक्ष्य तय हुआ। यानी कुटुंब प्रबोधन के माध्यम से संयुक्त परिवारों को बचाने के लिए स्वयंसेवक घर-घर जाएंगे, परिवार आपस में संवाद बनाए रखें एक साथ भोजन की परंपरा निभाएं इसके लिए लोगों को समझाएंगे। इसी तरह पर्यावरण रक्षा के प्रति प्रत्येक व्यक्ति को सचेत करना तथा नागरिक कर्तव्य समझाना है। सामाजिक समरसता और स्वदेशी के लिए भी लोगों को जागरूक करने का लक्ष्य हुआ। जैसा हम जानते हैं कार्यकारी मंडल में ओटीटी प्लेटफॉर्म और इंटरनेट को लेकर गहरी चिंता प्रकट की गई जो भारत के पारिवारिक, सामाजिक विभाजन, कुसंस्कार पैदा करने तथा अन्य प्रकार की अवांछित गतिविधियों का कारण बन रहा है। यह भी तय किया गया कि आपत्तिजनक सामग्रियों के बारे में बच्चों पर पड़ने वाले कुसंस्कारों की जानकारी देनी है। दत्तात्रेय का कहना था कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होनी चाहिए, पर इस पर एक नियामक भी बनाने की जरूरत है। सरकार तो इस ओर ध्यान देगी ही, समाज को भी संस्कारों में वृद्धि करके इस ओर ध्यान देना चाहिए। कौन संगठन इतने बड़े खतरे को देखते और समझते हुए भी इस तरफ फोकस करके काम करने को अग्रसर है? कार्यकारी मंडल की बैठक में राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ क्षेत्र और प्रांत के पदाधिकारी होते हैं जबकि कार्यकारिणी में अखिल भारतीय पदाधिकारी के साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल होते हैं। संघ की हर बैठक में बांग्लादेश के हिंदुओं के विरुद्ध हिंसा विचार के केंद्र में रहता है और इनमें भी था।

## विरोधियों को सीखने की जरूरत

अगर होसबोले ने कहा कि हिन्दू समाज को वहां से पलायन करने की जरूरत नहीं है, वे वहीं डटे रहें, वह उनकी भूमि है और यह भी कि जहां भी संकट आता है, हिन्दू भारत की ओर देखता है तो मानकर चलिए कि संघ अपनी क्षमता के अनुसार इसकी हर स्तर पर कोशिश भी कर रहा होगा। विरोधियों को संघ की इसी कार्य पद्धति से सीखने की आवश्यकता है। आमतौर पर राजनीति और अन्य कई क्षेत्रों के लोगों को समझ नहीं आता कि संघ के लोग बार-बार चरित्र निर्माण की बात क्यों करते हैं। दत्तात्रेय ने कहा कि संघ चरित्र निर्माण का कार्य करता है, जो केवल चर्चाओं में नहीं वरन् आचरण में दृष्टिगोचर होता है।

आपदा के समय अपनी सीमाओं और संसाधनों के साथ मोर्चा संभालने में स्वयंसेवक हमेशा दिखते हैं। विरोधी विचारें कि उनके द्वारा संघ को सांप्रदायिक या दूसरे मजहबों का विरोधी बताना क्या झूठ नहीं?

# निशाने पर सनातन समाज व संस्कृति

**दो टूक**

प्रणय कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वक्तव्य - बंटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो नेक रहेंगे, सुरक्षित रहेंगे..." ने पर्याप्त सुर्खियां बटोरीं। मथुरा में हाल ही में संपन्न संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने इसका खुलकर समर्थन किया। अपने-अपने दृष्टिकोण से इसके निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। सबसे बड़ी विडंबना तो यह है कि जातीय चेतना, दलित विमर्श, क्षेत्रीय अस्मिता एवं पृथक पहचान के नाम पर छोटी-छोटी अस्मिताओं को उभारकर समाज एवं राष्ट्र को बुरी तरह विभाजित करने वाले नेताओं एवं दलों को भी सीएम योगी के वक्तव्य और उस पर संघ की सहमति में संकीर्णता एवं सांप्रदायिकता नजर आती है! क्या यह सत्य नहीं कि आज इस देश के प्रमुख विपक्षी दल और उनके नेतागण उन्हीं वामी-जिहादी-औपनिवेशिक गठजोड़ की भाषा बोल रहे हैं, जिनकी दृष्टि में भारत कभी एक राष्ट्र न होकर, राज्यों का संघ मात्र रहा है, जिनकी दृष्टि में इस देश की संस्कृति, अस्मिता व राष्ट्रीयता भिन्न-भिन्न है, जिनकी दृष्टि में आतंकी गुट हमास, हिज़बुल्लाह जैसों का समर्थन तो पंथनिरपेक्षता है, पर बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर होने वाले अमानुषिक एवं बर्बर अत्याचार पर मुंह खोलना भी मतदाताओं का ध्रुवीकरण है?

## भारत विरोधियों का गिरोह सक्रिय

क्या यह सत्य नहीं कि देश और विदेश में भारत विरोधी बुद्धिजीवियों का एक ऐसा गिरोह सक्रिय है, जो जाति-पंथ-भाषा-लिंग-क्षेत्र-मजहब आदि के नाम पर चलने वाले विमर्श को प्रगतिशीलता का पर्याय व परिचायक बताता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यहां के मूल समाज व सनातन संस्कृति की छवि को धूमिल करने की ताक में घात लगाए बैठा रहता है? कौन नहीं जानता कि आज भारतीय समाज अंतर्बाह्य चुनौतियों एवं संकटों से घिरा है व निशाने पर भारत की एकता, अखंडता, संप्रभुता एवं सनातन संस्कृति है? क्या इसमें भी कोई दो राय हो सकती है कि इस देश को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं भौगोलिक एकता के सूत्र में पिरोए रखने के लिए परस्पर जुड़े रहने की आवश्यकता है? न केवल वर्तमान, अपितु अतीत में क्या हमारी सबसे बड़ी दुर्बलता विभाजनकारी प्रवृत्तियां और विभेदकारी कुरीतियां नहीं रहीं? क्या यह ऐतिहासिक सत्य नहीं कि विदेशी आक्रांताओं एवं साम्राज्यवादी शक्तियों ने फूट डालो और राज करो की नीति का अनुसरण करते हुए हमें दासता की बेड़ियों में जकड़ा और अंततः भारत को विभाजित करने में भी वे सफल रहे?

## भारत-विभाजन के कारण समझें

योगी या संघ के वक्तव्य को राजनीतिक पूर्वाग्रहों से विश्लेषित करने के स्थान पर अतीत के निर्णायक युद्धों में मिले जय-पराजय एवं भारत-विभाजन के कारणों-परिणामों के संदर्भों में देखना-समझना होगा। इतिहास साक्षी है, अतीत के हर निर्णायक युद्ध में हम विदेशी आक्रांताओं की वीरता नहीं, कुटिलता एवं धूर्तता के कारण हारे। हमने अद्भुत शौर्य, साहस एवं पराक्रम दिखाया, आवश्यकता पड़ने पर प्राणों की बाजी

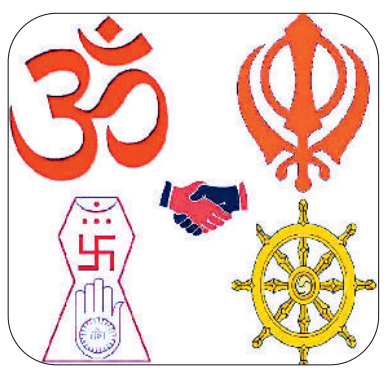

लगाई, राष्ट्र की बलिवेदी पर सर्वस्व न्योछावर करने की भावना रखी, पर निहित स्वार्थों, मिथ्या दर्पों, आहत अभिमानों तथा पारस्परिक द्वेष एवं वैमनस्यता आदि के कारण अपनों से ही विश्वासघात कर बैठे और अंततः पराजित हुए। हमने कभी सामूहिक-संगठित-एकजुट होकर विदेशी आक्रांताओं का सामना नहीं किया। भारत-भूमि के विभाजन की विभीषिका विश्व-इतिहास की सबसे अमानवीय, नृशंस, क्रूरतम एवं भयावह त्रासदियों में से एक है। परंतु घोर आश्चर्य है कि इसके मूल कारणों, प्रमुख घटकों, भयावह परिणामों आदि को इतिहास की पाठ्यपुस्तकों में दर्ज करने, पढ़ाए जाने एवं उन पर खुली चर्चा करने के स्थान पर कथित 'गंगा जमुनी तहज़ीब' व 'भाईचारे' के तराने गाए जाते रहे। विभाजन से एक वर्ष पूर्व मोहम्मद अली जिन्ना व मुस्लिम लीग के नेतृत्व में 16 अगस्त 1946 को अलग पाकिस्तान की मांग पर 'डायरेक्ट एक्शन डे' का आह्वान किया गया। संयुक्त बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री हसन शहीद सुहरावर्दी के नेतृत्व में कट्टरपंथियों ने चुन-चुनकर हिंदुओं को निशाना बनाया, 72 घंटे के भीतर 6 हजार से अधिक हिंदुओं का कत्लेआम किया गया, हजारों हिंदू माताओं-बहनों-बेटियों को दुष्कर्म का शिकार बनाया गया। न केवल विभाजन के कालखंड में बल्कि बाद के दिनों में भी बांग्लादेश (तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान), पाकिस्तान, अफगानिस्तान में हिंदुओं-सिखों-बौद्धों को लगातार निशाना बनाया जाता रहा, जिसकी परिणति वहां अल्पसंख्यकों की घटती जनसंख्या व जबरन मतांतरण में देखी जा सकती है। विभाजन के समय पाकिस्तान में हिंदू अल्पसंख्यकों की आबादी 14.2 प्रतिशत एवं पूर्वी पाकिस्तान में 28.4 प्रतिशत थी, जो आज घटकर क्रमशः 2.14 और 8.5 तक पहुंच गई है। वर्ष 1970 तक अफगानिस्तान में हिंदू-सिखों की अनुमानित संख्या लगभग 7 लाख थी, जो मजहबी हिंसा एवं तालिबानी राज में घटकर मात्र 43 रह गई है। आज बांग्लादेश में चहुंओर कट्टरपंथ क्रूर अट्टहास कर रहा है और बंग संस्कृति स्तब्ध है! वहां चुन-चुनकर हिंदुओं की दुकानें लूटी जा रही हैं, उनके घरों को निशाना बनाया जा रहा है, सरकारी नौकरी से त्यागपत्र देने के लिए उनसे जबरन हस्ताक्षर करवाए जा रहे हैं, मंदिर व मूर्त्तियां तोड़ी जा रही हैं, महिलाओं के साथ सरेआम दुर्व्यवहार किया जा रहा है, यहां तक कि उन्हें दुर्गा पूजा और दीपावली तक मनाने से रोका जा रहा है। पूरी दुनिया ने उनकी रोती-बिलखती तस्वीरें देखीं। क्या यह भी बताने की आवश्यकता है कि केवल मत-पंथ-पूजा-विश्वास आदि भिन्न होने के कारण हिंदुओं के प्राणों पर संकट के घनघोर बादल घिर आए हैं?

## कट्टरपंथियों का निशाना

ऐसे में यदि सीएम योगी आदित्यनाथ एवं संघ आसन्न संकटों के प्रति भारत के मूल समाज को सचेत व सावधान कर रहे हैं तो इस पर क्यों आपत्ति होनी चाहिए? स्मरण रहे कि कुफ़्र-काफ़िर के दर्शन से प्रेरित-संचालित-प्रभावित कट्टरपंथियों के निशाने पर कभी कोई जाति, दल या विचारधारा नहीं, बल्कि स्वतंत्रता, समता, बंधुत्व व वसुधैव कुटुंबकम में विश्वास रखने वाली सनातन संस्कृति ही रही है। सनातन समाज को जातियों-वर्गों में बांटकर राजनीतिक रोटियां सेंकने वाले दलों एवं बुद्धिजीवियों को पाकिस्तान के पहले कानून मंत्री योगेंद्रनाथ मंडल का नाम व हस्र अवश्य याद रखना चाहिए। उन्हें भी लगता था कि पाकिस्तान जाकर वे दलितों-वंचितों का हित साध सकेंगे, परंतु नतीजा क्या रहा? उन्हें रातों-रात भागकर भारत में शरण लेनी पड़ी और उनकी बातों में आकर पाकिस्तान गए उनके लाखों अनुयायियों को अंतहीन पीड़ा एवं यातनाओं के दौर से गुजरना पड़ा। इसलिए हमें इतिहास से सबक लेते हुए एक व एकजुट रहने के लिए सदैव प्रयत्नशील रहना होगा।

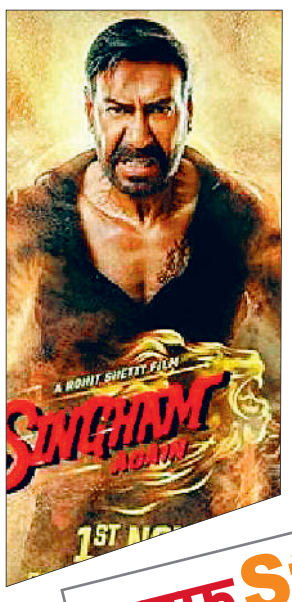


# 'सिंघम अगेन' ने पहले दिन ही गाड़ दिए झंडे, कमाए 44 करोड़

**मुंबई।** डायरेक्टर रोहित शेट्टी की मल्टीस्टारर फिल्म 'सिंघम अगेन' दिवाली के मौके पर 1 नवंबर को रिलीज हुई। इस फिल्म में अजय देवगन के साथ अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, करीना कपूर, टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर और जैकी श्रॉफ जैसे कलाकार नजर आए हैं। फिल्म के अंत में सलमान खान का कैमियो है, जिसे लेकर फैन्स में काफी उत्साह है। बॉक्स ऑफिस पर मल्टीस्टारर होने का इस फिल्म को भरपूर फायदा मिलता दिख रहा है। 'सिंघम फ्रेंचाइजी' की शुरुआत साल 2007 में हुई थी और इसके बाद साल 2014 में मेकर्स 'सिंघम रिटर्न्स' लेकर आए। अब 'सिंघम अगेन' से जिस तरह की उम्मीद थी वो उसपर खरी साबित हुई है।

## लाइफ Style

# मृणाल

## फोटो एडिट करने पर फैन को लताड़ा

एजेंसी ⏭ मुंबई

एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर लगातार अपनी एक्टिंग से फैंस का दिल जीतती रहती हैं। 'हाय नन्ना', 'सीता रामम' और 'जर्सी' जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग से वो हर किसी को दीवाना बना चुकी हैं। मृणाल की पर्सनैलिटी और उनका अंदाज हमेशा उनके फैंस को पसंद आया है।

हाल ही में उन्होंने अपने अजीब से व्यवहार के चलते सुर्खियां बटोरीं और लोग कह रहे हैं कि ये बहुत बुरा था। मृणाल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और अक्सर अपने फैंस के साथ स्टोरी के जरिए बातचीत करती देखी जाती हैं। हाल ही में, डिवा को अपने एक फैन की शेयर की गई एक पोस्ट मिली, जिसमें उसने फोटो को इस तरह से एडिट किया था कि ऐसा लग रहा था कि वह और मृणाल एक साथ दिवाली मना रहे हैं। मृणाल ने पोस्ट के कमेंट सेक्शन में लिखा- भाई क्यों झूठी तस्सली दे रहा है अपने आप को? आपको लगता है आप जो अभी कर रहे हैं वो कूल है? जी नहीं! हालांकि, कमेंट लिखने के कुछ मिनट बाद, मृणाल का दिल पिघल गया और उन्होंने कमेंट हटा दिया। बाद में उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर पोस्ट शेयर की और उसी एडिटिंग के लिए उस आदमी की तारीफ की। उन्होंने लिखा, 'आशा है कि आप एक दिन अच्छी फिल्में एडिट करेंगे! शुभकामनाएं, शुभ दिवाली।' एक यूजर ने Reddit पर जाकर पोस्ट के दोनों स्क्रीनशॉट को काट दिया। उसी पर रिएक्शन देते हुए नेटिजन्स ने मृणाल पर पीआर पोस्ट के जरिए सबकुछ कंट्रोल करने का आरोप लगाया।

## हॉलीवुड मसाला

# सेलेना से नारा लगाने की अपील

**लॉस एंजिल्स।** सेलेना गोमेज से एक भारतीय प्रशंसक ने 'जय श्री राम' का नारा लगाने की अपील की। इस पर दिया गया अमेरिकी गायिका-अभिनेत्री का रिएक्शन ताबड़तोड़ वायरल हो रहा है। एक भारतीय प्रशंसक के साथ पॉप स्टार सेलेना गोमेज का हालिया वीडियो इंटरनेट पर व्यापक ध्यान आकर्षित कर रहा है। क्लिप में, भारतीय व्यक्ति 32 वर्षीय अमेरिकी गायक-अभिनेत्री के साथ वीडियो बनाता नजर आ रहा है। इसी दौरान वह गायिका से 'जय श्री राम' का नारा लगाने को कहता है।

# ओटीटी पर धमाल मचाने को तैयार डेडपूल एंड वूल्वरिन...

**लॉस एंजिल्स।** 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स के दो सबसे पसंदीदा किरदारों- रयान रेनॉल्ड्स के 'डेडपूल' और ह्यू जैकमैन के 'वूल्वरिन' को एक साथ लेकर आई है। बड़े पर्दे पर दर्शकों को प्रभावित करने के बाद यह फिल्म अब अपने डिजिटल प्रीमियर के लिए पूरी तरह तैयार है। सिनेमाघरों की तरह ही यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी धूम मचाने वाली है। यह फिल्म 12 नवंबर से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होने वाली है। रयान रेनॉल्ड्स और ह्यूग जैकमैन अभिनीत डेडपूल और वूल्वरिन ने एमसीयू को एक बहुत बड़ी हिट दी है और सिनेमाई इतिहास में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली आर-रेटेड फिल्म का खिताब हासिल किया है।

# रणथंभौर के जंगल में मना रहीं छुट्टियां

**मुंबई।** सामंथा रुथ प्रभु नेचर के बीच अपनी छुट्टियों को मना रही हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी रणथंभौर की छुट्टियों की एक झलक शेयर की है। कुछ ही समय में यह वायरल हो गया और फैंस इस पर रिएक्शन दे रहे हैं। सामंथा ने पहले के एक पोस्ट में भी अपने फैंस को 'हैप्पी दिवाली' की शुभकामनाएं दी थीं। सामंथा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फोटोज शेयर कीं और लिखा, 'बाघ के साथ प्रकृति की भव्यता देखी। आखिरी स्लाइड में बाघ की शानदार तस्वीर है।' एक फैन ने लिखा- रणथंभौर से प्यार है। एक ने लिखा- प्रकृति की तरह ही, आप भी शांत, संयमित और स्पष्ट हैं, आप उस तरह के कुर्ते में एक बच्चे की तरह दिख रही हैं, सुरक्षित रहें सैमी।सामंथा रुथ प्रभु 'सिटाडेलः हनी बनी' की रिलीज के लिए तैयारी कर रही हैं, जिसमें वह वरुण धवन के साथ नजर आएंगी।

# 'भूल भुलैया-3' हुई खूब मालामाल

**मुंबई।** इस साल कई शानदार हॉरर-कॉमिडी फिल्मों की लिस्ट में अब एक और फिल्म शामिल हो गई है। साल के आखिर महीनों में दिवाली पर रिलीज हुई 'भूल भुलैया 3' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार शुरुआत की है। 'मुंज्या' और 'स्त्री 2' जैसी फिल्मों के बाद अब तीसरी फिल्म 'भूल भुलैया 3' भी सिनेमाघरों में काफी धमाल मचाने जा रही है। इस फ्रैंचाइजी की दोनों फिल्मों को लोगों ने खूब पसंद किया है। पहली 'भूल भुलैया' में मंजुलिका का किरदार निभा चुकीं विद्या बालन दूसरी सीरीज में नजर नहीं आई थीं। अब वह इस तीसरी फिल्म में एक बार फिर से लोगों के दिलों पर राज कर रही हैं। कहा जा रहा है कि मंजुलिका ही इस फिल्म की जान हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म ने शानदार एडवांस बुकिंग की।

## टीवी मसाला

# बिग बॉस 18 में कशिश ने ली वाइल्ड कार्ड एंट्री

**नई दिल्ली।** बिग बॉस 18 में रोमांच बढ़ने वाला है, क्योंकि कशिश कपूर सलमान खान के होस्ट किए जाने वाले रिएलिटी शो में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर शामिल हो गई हैं, उनके साथ स्प्लिट्सविला 15 के उनके कॉम्पिटिटर दिग्विजय सिंह राठी भी हैं। फैंस अब इन दोनों की एंट्री से काफी खुश हैं, क्योंकि स्प्लिट्सविला 15 कशिश और दिग्विजय के गेम की हर कोई सराहना करता है। निर्माताओं के साझा किए गए नए प्रोमो में, कशिश और दिग्विजय सलमान खान के सामने तीखी बहस करते हुए दिखाई दे रहे हैं। कशिश कपूर को डेटिंग रिएलिटी शो स्प्लिट्सविला 15 में भाग लेने के बाद लोकप्रियता मिली, जिसे सनी लियोनी और तनुज विरवानी ने होस्ट किया था। बिहार की रहने वाली कशिश अपने बेबाक राय के लिए जानी जाती हैं। वह खुद को बोल्ड, आत्मविश्वासी और रोमांटिक बताती हैं। बिहार में आयोजित एक प्रतियोगिता में उन्होंने मिस फैशन आइकन का खिताब भी जीता। बताया जाता है कि कशिश ने होस्टिंग से अपना करियर शुरू किया था और कॉलेज में पढ़ाई के दौरान उन्होंने ट्यूशन भी ली थी। स्प्लिट्सविला 15 में कशिश ने अडी जैन के साथ रोमांटिक बॉन्ड शेयर किया था। उन्हें अक्सर एक-दूसरे के साथ सहज देखा जाता था। हालांकि, चीजें तब बदल गईं जब कशिश ने अपने प्रेम संबंध को खत्म करने और सत्ता का पीछा करने का फैसला किया, जिसके कारण उन्होंने दिग्विजय सिंह राठी के साथ साझेदारी की।

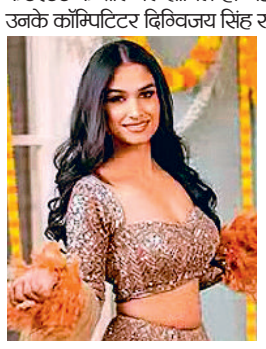

## शेयर किया एनर्जी से भरा डांस वीडियो

**मुंबई।** 'बिग बॉस 17' में नजर आ चुकीं मन्नारा चोपड़ा अक्सर अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर या पब्लिक अपीयरेंस की वजह से सुर्खियां बटोर लेती हैं। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ है, जिसमें मन्नारा अपना लाजवाब डांस दिखाती नजर आ रही हैं। मन्नारा ने अपना ये डांस वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए कैप्शन में काफी कुछ लिखा है। मन्नारा ने लिखा है- इस गाने में मेरा दिल बसता है। प्रियंका चोपड़ा की कजिन सिस्टर यूं तो साउथ फिल्मों में काफी एक्टिव हैं, लेकिन 'बिग बॉस 17' के बाद से उन्हें लोग घर-घर में जानने लगे हैं। मन्नारा ने अपने इस डांस वीडियो के साथ लिखा है, 'मैं पूरी तरह एनर्जी से भरपूर हूं और इस गाने में मेरा दिल बसता है। दिवाली में बल्ले शैले वाइब्स के साथ डांस किया। मन्नारा ने लिखा है, 'फेस्टिव वाली फीलिंग के साथ फैशनेबल, तैयार और ईश्वर की कृपा महसूस कर रही हूं। मुझे अपनी सर्वश्रेष्ठ दिवाली बीट्स भेजें, और याद रखें, इस दिवाली पर आपका सबसे अच्छा आउटफिट हो सकता है आपका खुश रहना! कुछ समझे?'

# 'फौजी 2' का ट्रेलर जारी

**नई दिल्ली।** शाहरुख खान के जन्मदिन के अवसर पर 'फौजी 2' के निर्माताओं ने प्रशंसकों को एक शानदार ट्रेलर रिलीज करके उपहार दिया है, जिसने दर्शकों के बीच उत्साह और प्रत्याशा को बढ़ा दिया है। इस सीरीज ने शाहरुख खान को अभिनय की दुनिया में दर्शकों से परिचित करवाया था। अब इसके सीक्वल में गौहर खान और विक्की जैन के नेतृत्व में एक नई कास्ट है, जो समकालीन मोड़ के साथ फौजी की विरासत को आगे बढ़ाएगी।' फौजी 2 सेना पर आधारित नाटक में विक्की जैन और गौहर खान सहित नए कलाकारों के साथ एक आधुनिक मोड़ पेश करेगा। फौजी की वापसी आज से हर सोमवार से गुरुवार तक डीडी नेशनल पर होगी।

# अल्लू - रश्मिका हुए 'रोमांटिक'

*मुंबई। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'पुष्पा 2' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ये फिल्म इस साल के आखिरी में यानी दिसंबर में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इससे पहले मेकर्स ने दिवाली पर धमाका किया है। फैंस को सरप्राइज देते हुए तोहफा दिया है। फिल्म से लीड स्टार्स का पोस्टर जारी किया है, जिसमें वो रोमांटिक नजर आ रहे हैं। पोस्टर जारी करते हुए मेकर्स ने लिखा, 'हैप्पी दिवाली। पुष्पा राज और श्रीवल्ली की ओर से आपको और आपके परिवार को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं।' बता दें ये फिल्म पहले अगस्त में रिलीज होने वाली थी, लेकिन मेकर्स ने काम पूरा ना होने का हवाला देते हुए इसे पोस्टपोन कर दिया। ये पहले 6 दिसंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे एक दिन पहले 5 दिसंबर 2024 को ही रिलीज किया जाएगा।*

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034थी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
HMS देखकर खरीदें
बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध
94060-21769

हरिभूमि
HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल सिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल
(ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोनः +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर,
समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

# तरकश

- संजय के. दीक्षित

## सचिवों का अर्धशतक

पांच-सात साल पहले तक छत्तीसगढ़ के मंत्रालय में सचिवों का ऐसा टोटा था कि स्पेशल सिकरेट्री को विभागों की कमान सौंपनी पड़ रही थी। मगर अब स्थिति ये है कि एसीएस, और प्रिंसिपल सिकरेट्री को छोड़ सिर्फ सिकरेट्री लेवल के अफसरों की संख्या 50 पहुंच गई है। वो भी तब जब इस साल 2024 में छह सचिव रिटायर हो चुके हैं। शारदा वर्मा अगले महीने दिसंबर में रिटायर होंगी। सचिवों की संख्या में एकाएक इजाफा इसलिए भी हुआ कि छह महीने के भीतर आधा दर्जन से अधिक आईएएस सेंट्रल डेपुटेशन से छत्तीसगढ़ लौट आए। ऊपर से 2005 के बाद छत्तीसगढ का आईएएस अलॉटमेंट भी बढ़ गया। याद होगा, 2002 तक एक-एक, दो-दो आईएएस छत्तीसगढ़ को मिलते थे। मसलन, 2002 बैच में सिर्फ दो। रोहित यादव और कमलप्रीत सिंह। 1998 और 2001 में एक भी नहीं। 1999 और 2000 में एक-एक। 2005 के बाद उत्तरोत्तर संख्या बढ़ती गई। बहरहाल, जनवरी में 2009 बैच के आईएएस भी प्रमोट होकर सचिव बन जाएंगे। इस बैच में 11 आईएएस हैं। याने जनवरी तक सचिवों की संख्या 61 पहुंच जाएगी। ऐसे में, विभागों के बंटवारे में सरकार के पास विकल्प खुले रहेंगे। जाहिर है, पुअर परफर्मेंस वाले सचिवों की दिक्कतें बढ़ेंगी। उन्हें अल्पज्ञात विभागों के सचिव होने से ही दिल को दिलासा देना होगा।

## सिकरेट्री की बड़ी चूक-1

अंग्रेज जब इमारतें बनाते थे, तो 100 साल आगे की प्लानिंग करते थे। मगर इंडियन लोगों की स्थिति यह है कि दस-बारह साल में प्लानिंग ध्वस्त होने लगती है। इसका नायाब नमूना है, छत्तीसगढ़ का मंत्रालय महानदी भवन। 2012 में महानदी भवन में पुराना मंत्रालय शिफ्ट हुआ था। करोड़ों रुपए से निर्मित इस भवन में सचिवों के लिए चार फ्लोर बनाए गए हैं। एक फ्लोर में सात सचिव बैठ सकते हैं। याने एसीएस, प्रिंसिपल सिकरेट्री मिलाकर 28 सिकरेट्री। सचिवों की संख्या अब बढ़ गई है इसलिए सचिवालय ब्लॉक में कमरे का टोटा पड़ गया है। आलम यह है कि कई सचिवों को मंत्रियों के ब्लॉक में बिठाना पड़ रहा है। ऋचा शर्मा, सोनमणि बोरा, रोहित यादव जैसे कई सिकरेट्री मिनिस्ट्रियल ब्लॉक में बैठ रहे हैं।

## सिकरेट्री की बड़ी चूक-2

दरअसल, मंत्रालय भवन की प्लानिंग जब तैयार हो रही थी, तब छत्तीसगढ़ को एक-एक, दो-दो आईएएस का आबंटन मिलता था। मगर जब बिल्डिंग बनने लगी तब इसमें इजाफा हो गया। उस समय पूर्व मुख्य सचिव पी जॉय उम्मेन प्रमुख सचिव आवास और पर्यावरण विभाग थे। नया रायपुर की पूरी प्लानिंग उम्मेन के कार्यकाल के दौरान ही फाइनल हुई। उम्मेन से लेकर तब की सारी एजेंसियां यह अंदाज लगाने में गच्चा खा गई कि आगे चलकर अफसरों की संख्या बढ़ गई तो क्या होगा। अब तीन महीने के अवकाश के बाद अगले महीने अमित कटारिया ज्वाइन करेंगे। उसके महीने भर बाद 2009 बैच के प्रमोट होने वाले 11 सचिवों की संख्या और बढ़ जाएगी। यक्ष प्रश्न यह है कि इन्हें कहां बिठाया जाएगा? और 12 साल के भीतर ही अगर नया मंत्रालय भवन बनाने या एक्सटेंशन करने की नौबत आ जाए तो क्या यह मजाक नहीं होगा? ब्यूरोक्रेसी को भविष्य के लिए इससे सबक लेनी चाहिए।

## सुबोध सिंह की पोस्टिंग

97 बैच के छत्तीसगढ़ कैडर के आईएएस सुबोध सिंह को भारत सरकार में पोस्टिंग मिल गई है। उन्हें स्टील मिनिस्ट्री में एडवाइजर बनाया गया है। रायगढ़, बिलासपुर और रायपुर की चार बार कलेक्टरी कर चुके सुबोध 2020 में सेंट्रल डेपुटेशन पर गए थे। याने उनका तीन साल कंप्लीट हो चुका है। राज्य सरकार अगर प्रयास करें तो सुबोध को रिलीव करने में भारत सरकार को कोई दिक्कत नहीं होगी। सूबे में सचिवों की संख्या भले ही 50 पहुंच गई है, मगर सुबोध जैसे अफसरों की कमी अभी भी महसूस की जा रही है।

## कबाड़ी, पुलिस और पॉलिटिक्स

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में कबाड़ी को पुलिसिया और राजनीतिक संरक्षण की वजह से कैसा बवाल हुआ, ये किसी से छुपा नहीं है। सरकार को सूरजपुर के पुलिस अधीक्षक को हटाना पड़ गया। बावजूद इसके, पुलिस का सिस्टम सबक नहीं ले रहा है। कबाड़ी को बचाने की इसी हफ्ते ताजा घटना रायपुर से लगे धमतरी जिले के कुरूद में हुई। रायपुर-विशाखापट्टनम सिक्स लेन ग्रीन कारिडोर बना रही लखनऊ की कंट्रक्शन कंपनी का 29 टन सरिया का ट्रक पार हो गया। इसमें कंपनी के कुछ स्टाफ भी शामिल रहे। कंपनी ने खुद ही तीन लोगों को पकड़कर कुरूद पुलिस के हवाले किया। पकड़े गए लोगों ने बताया कि ट्रक को कुरूद के एक राइस मिल में अनलोड किया गया। उसके बाद एक कबाड़ी उसे खरीदकर ले गया। इसके बाद भी पुलिस ने रिपोर्ट लिखने में खेल कर दिया। एक तो दूसरे दिन एफआईआर दर्ज हुआ। पहले दिन पुलिस ने यह कहकर आरोपियों को कंपनी के लोगों के सुपूर्द कर दिया कि कल लेकर आइएगा। उसके बाद 8 लाख की सरिया को एफआईआर में 80 हजार की चोरी कर दिया गया। जाहिर है, कबाड़ी और राइस मिलर को बचाने यह किया गया। चूंकि चोरी की राशि कम हो गई, इसलिए केस कमजोर पड़ जाएगा। बता दें, राइस मिलर और कबाड़ी को बचाने पुलिस पर भारी प्रेशर था...पुलिस दबाव में आ भी गई।

## मंत्री पद की दावेदारी

रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव का परिणाम 23 नवंबर को आएगा। मगर रिजल्ट क्या आएगा, इस पर सियासी प्रेक्षकों को कोई उलझन नहीं है। भाजपा भी जानती है रिजल्ट क्या आएगा और कांग्रेस भी। खैर, सत्ताधारी पार्टी के सुनील सोनी अगर चुनाव जीते तो मंत्री पद का एक दावेदार और बढ़ जाएगा। इस समय विष्णुदेव कैबिनेट में दो पद खाली हैं। बृजमोहन अग्रवाल के सांसद चुने जाने के बाद रायपुर से इस समय कोई मंत्री नहीं है। लिहाजा, राजेश मूणत की दावेदारी है तो पुरंदर मिश्रा भी महाप्रभु जगन्नाथ से चमत्कार की आस लगाए बैठे हैं। अब ओबीसी से सुनील सोनी भी मैदान में होंगे। लेकिन महत्वपूर्ण यह भी है कि कैबिनेट के 9 मंत्रियों में से ओबीसी कोटे से इस समय छह मंत्री हैं। याने 66 परसेंट। चूंकि छत्तीसगढ़ में बीजेपी की राजनीति ट्राइबल और ओबीसी की ध्रुवीकरण की है, इसलिए ओबीसी से एक मंत्री और बनाया जा सकता है। तब सात ओबीसी मंत्री हो जाएंगे। सत्ताधारी पार्टी के लिए यह परफेक्ट समीकरण होगा। आदिवासी मुख्यमंत्री प्लस दो आदिवासी, एक अनुसूचित जाति, सात ओबीसी और दो जनरल केटेगरी से मंत्री। इससे स्पष्ट है कि मंत्रिमंडल की दो रिक्त सीटों में ओबीसी और जनरल से एक-एक को मौका मिलेगा। अब मंत्री बनने वाले दो भाग्यशाली विधायक कौन होंगे, ये तो नहीं पता, मगर ये अवश्य है कि अब हेड काउंटिंग के लिए मंत्री नहीं बनाया जाएगा। पार्टी अब परफार्मेंस को प्राथमिकता देगी। क्योंकि, ओबीसी और जनरल में रिजल्ट देने वाले विधायकों की कमी नहीं है।

## तीन साल चुनाव में

विष्णुदेव साय सरकार का एक साल लगभग निकल गया है। आखिरी साल चुनावी वर्ष होता है। उसमें उद्घाटन और चुनाव में माहौल बनाने के लिए शिलान्यास के काम होते हैं। बचा तीन साल। इसी में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव होंगे। सरकार को इसी पीरियड में अपना बेस्ट दिखाना है। लिहाजा, मंत्रियों के साथ अब सचिवों के लिए अगला तीन साल चुनौतीपूर्ण होंगे। इसी तीन साल में प्लानिंग करनी होगी और उसका क्रियान्वयन भी। इसके लिए सरकार को बेस्ट अफसरों की फारवर्ड टीम तैयार करनी होगी...उसके कंधे पर हाथ रखना होगा...बिना पुख्ता संरक्षण के अफसर रिस्क लेकर काम करते नहीं। पिछली सरकार ने टीम बनाने में चूक की। इससे उसे खामियाजा यह उठाना पड़ा कि भूपेश बघेल जैसे कमांडर के होने के बाद भी बीजेपी उसे परास्त करने में कामयाब हो गई।

## अंत में दो सवाल

*1. दिवाली, होली जैसे त्यौहारों की डेट में कंफ्यूजन पैदा करने से किसका हित सध रहा है?*

*2. दिल्ली में रेजिडेंट कमिश्नर बनने के लिए आईएएस अफसर इतना जोर क्यों मार रहे हैं?*

# भारत में करीब 98 प्रतिशत स्कूलों में छात्राओं के लिए अलग शौचालय

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी सहित देश के 97.5 प्रतिशत से अधिक स्कूलों में छात्राओं के लिए अलग शौचालयों की सुविधा है।

इसने कांग्रेस नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता जया ठाकुर की ओर से दायर लंबित जनहित याचिका के संबंध में एक हलफनामा दायर किया है, जिसमें कक्षा छह से 12 तक की छात्राओं को मुफ्त 'सैनिटरी पैड' प्रदान करने और सभी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त तथा आवासीय स्कूलों में छात्राओं के लिए अलग शौचालयों की व्यवस्था करने के वास्ते निर्देश दिए जाने का आग्रह किया गया है। केंद्र ने शीर्ष अदालत को बताया है कि दिल्ली, गोवा और पुडुचेरी जैसे राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों ने 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया है और अदालत के पहले के आदेशों का अनुपालन किया है। इसने अदालत को यह भी बताया कि 10 लाख से अधिक सरकारी स्कूलों में लड़कों के लिए 16 लाख शौचालय और लड़कियों के लिए 17.5 लाख शौचालय बनाए गए हैं तथा सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में लड़कों के लिए 2.5 लाख और लड़कियों के लिए 2.9 लाख शौचालय बनाए गए हैं। केंद्र ने रेखांकित किया कि पश्चिम बंगाल में 99.9 प्रतिशत स्कूलों में और उत्तर प्रदेश में 98.8 प्रतिशत स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग शौचालयों की सुविधा है।

### केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को दी जानकारी



*राष्ट्रीय नीति की दी थी जानकारी : केंद्र ने आठ जुलाई को शीर्ष अदालत को सूचित किया था कि स्कूल जाने वाली किशोर उम्र की लड़कियों में मासिक धर्म स्वच्छता उत्पादों के वितरण को लेकर बनाई जा रही एक राष्ट्रीय नीति तैयार होने के उन्नत चरण में है। ठाकुर द्वारा दायर जनहित याचिका में स्कूलों में गरीब पृष्ठभूमि की किशोरियों को होने वाली कठिनाइयों पर प्रकाश डाला गया है।*

### छत्तीसगढ़ में 99.6 फीसदी

इसने अदालत को सूचित किया कि तमिलनाडु में यह आंकड़ा 99.7 फीसदी, केरल में 99.6 फीसदी, सिक्किम, गुजरात, पंजाब में 99.5 फीसदी, छत्तीसगढ़ में 99.6 फीसदी, कर्नाटक में 98.7 फीसदी, मध्य प्रदेश में 98.6 फीसदी, महाराष्ट्र में 97.8 फीसदी, राजस्थान में 98 प्रतिशत, बिहार में 98.5 प्रतिशत और ओडिशा में 96.1 प्रतिशत का है। केंद्र ने कहा है कि पूर्वोत्तर राज्य राष्ट्रीय औसत 98 प्रतिशत से पीछे हैं। इसने कहा कि जम्मू-कश्मीर में 89.2 प्रतिशत स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग शौचालयों की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

## जैकेट के शेष

### काली रात... 48 घंटे...

आनंद सिंह की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। दोनों पक्षों के पांच बदमाशों को पुलिस ने हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। संजय की हत्या करने वाले बदमाशों ने उनके परिजनों को धमकाते हुए कहा, हां, हमने संजय को मारा है। होशियार बनने की कोशिश करने पर मृतक के परिजनों को अंजाम भुगतने की चेतावनी देते हुए उन पर भी हमला किया।

### बुजुर्ग दंपति पर...

भारी वस्तु से हमला कर दिया। हमला में रत्नेश्वर बैनर्जी की मौत हो गई है तथा उनकी पत्नी के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। घटना बुधवार दोपहर 1 बजे से देर रात के बीच बताई जा रही है। मृतक का बेटा रवि अपने पिता को लगातार कॉल कर रहा था। पिता द्वारा कॉल रिसीव नहीं करने पर रवि ने सहकर्मी को अपने घर भेजा, तब पुलिस को घटना की जानकारी मिली। मृतक के किराएदारों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।

### खम्हारडीह : जेसीबी ड्राइवर...

एक दिन पूर्व लाश मिली। हत्या के आरोप में पुलिस ने प्रेमशंकर साहू को गिरफ्तार किया है। हत्या की वजह पत्नी के चरित्र पर शंका और आरोपी पर प्रेम संबंध का शक बताया जा रहा है। बदमाश ने सुंदर के सिर पर किसी भारी वस्तु से वार कर मौत के घाट उतार दिया।

### तीन दिन में धरे...

सार्वजनिक स्थान पर नशा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। एसएसपी के निर्देश पर पुलिस शहरी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक धनतेरस के तीन दिन पूर्व से लेकर अब तक अभियान चला रही है। इस अभियान में सौ से ज्यादा जुआरी तथा सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने वाले दबोचे गए। साथ ही आधा दर्जन से ज्यादा बदमाशों के खिलाफ पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है। एएसपी सिटी पश्चिम दौलतराम पोर्ते के मुताबिक, शहरी थाना क्षेत्रों से ज्यादा जुआरी ग्रामीण क्षेत्र में दबोचे गए गए हैं। जुआ के आरोप में पकड़े गए दो दर्जन के करीब जुआरियों के खिलाफ पुलिस ने प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की है।

## पेज एक के शेष

### बॉलिंग और बैटिंग दोनों में...

हूं। मैं फ्रेंचाइजी का आभारी हूं क्योंकि उन्होंने मुझे फिर से मौका दिया है और मुझ पर भरोसा दिखाया है। उन्होंने मुझे जो मौका दिया है, उसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगा। अब मेरा काम है कि मैं उन्हें सही साबित करूं।

### अनियंत्रित होकर डबरी में गिरी...

है कि कुसमी के ग्राम लरिमा के एक परिवार के लोग स्कार्पियो किराये से लेकर सूरजपुर जाने के लिए निकले थे। शनिवार की रात लगभग 8 बजे कुसमी से अम्बिकापुर की ओर जा रही स्कॉर्पियो क्रमांक सीजी 15 डीपी 6255 राजपुर से 3 किलोमीटर आगे ग्राम लड़ुआ में सड़क किनारे स्थित डबरी में अनियंत्रित होकर पलट गई। इस घटना की जानकारी स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद राजपुर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और किसी तरह पानी में डूबी स्कॉर्पियो से चालक को बाहर निकाला गया। इसके साथ ही तहसीलदार यशवंत कुमार सिंह, राजपुर, शंकरगढ़, पस्ता व बरियों पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान शुरू किया। पुलिस द्वारा राजपुर से ही एक्सीवेटर मंगाकर वाहन को एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद रात 9 बजे बाहर निकाला जिसके बाद उन्हें उपचार के लिए राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टर ने एक महिला, एक बच्ची समेत 6 लोगों को मृत घोषित कर दिया।

### अम्बिकापुर की...

मंगल, उदय, भूपेंद्र, चंद्रवती, संजय व 8 वर्षीया बच्ची कृति के रूप में की गई है। फिलहाल पुलिस द्वारा मृतकों के परिजन से सम्पर्क किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलने के बाद विधायक उद्धेश्वरी पैकरा भी मौके पर पहुंची थी। फिलहाल शवों को मर्च्युरी में रखवाया गया है।

# बस-कार की टक्कर में दो नेपाली नागरिकों की मौत

**बलरामपुर।** उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में शनिवार को रोडवेज की एक बस और कार की टक्कर में दो नेपाली नागरिकों की मौत हो गई तथा तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, पचपेड़वा थाना क्षेत्र में हुई इस दुर्घटना में मारे गए लोग कार से नेपाल जा रहे थे। तीन अन्य घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि नेपाल के कपिलवस्तु के रहने वाले दिनेश बलबासे (37 वर्ष) अपनी पत्नी एवं अन्य लोगों के साथ कार में सवार होकर पंजाब से अपने घर नेपाल जा रहे थे। पचपेड़वा थानाक्षेत्र के राम नगर के निकट कार की बस से आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में दिनेश बलबासे और अनिल सपकोरा (27) की मौत हो गई।

अनिल नेपाल के नवलगंज जिले का रहने वाला था। जबकि, कार में सवार शारदा बेलबासे, टेक बहादुर व उनकी पत्नी धनकला घायल हो गई, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

# भाजपा आज चुनेगी विधायक दल का नेता

**जम्मू।** भारतीय जनता पार्टी की जम्मू इकाई लगभग छह साल के अंतराल के बाद चार नवंबर से शुरू हो रहे जम्मू-कश्मीर विधानसभा के पहले सत्र से पूर्व अपने विधायक दल का नेता चुनने के लिए रविवार को श्रीनगर में एक बैठक करेगी। भाजपा ने हाल ही में संपन्न जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में 29 सीट पर जीत हासिल की थी। यह जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। हालांकि, नगरोटा से 30 हजार से अधिक मतों के अंतर से जीत दर्ज करने वाले भाजपा विधायक देवेंद्र सिंह राणा का बृहस्पतिवार को बीमारी की वजह से निधन हो गया। उन्हें जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा था। "जम्मू की आवाज" के रूप में जाने जाने वाले राणा ने अपने करीबी सहयोगी और पूर्व मंत्री एसएस सलाथिया के साथ नेशनल कॉन्फ्रेंस छोड़ दी थी और अक्टूबर 2021 में भाजपा में शामिल हो गए थे। पिछले महीने भाजपा के संसदीय बोर्ड ने जम्मू-कश्मीर में विधायक दल के नेता का चयन करने के लिए केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग को पर्यवेक्षक नियुक्त किया था।

**आज श्रीनगर में बैठक:** भाजपा के सूत्रों के मुताबिक, बैठक रविवार सुबह श्रीनगर में होगी और इसमें जम्मू-कश्मीर इकाई के प्रमुख रवींद्र रैना समेत सभी 28 विधायक तथा पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि बैठक में विपक्ष के नेता का चयन किया जाएगा और उसका नाम पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को भेजा जाएगा। सूत्रों के अनुसार, पांच नामों पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है, लेकिन बैठक होने के बाद ही चीजें साफ हो पाएंगी।

**पूर्व तट रेलवे**
**'ई' प्रॉक्योरमेंट प्रणाली**
निम्नलिखित निविदाएँ वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दी गई हैं।
सं. MCS/Stores/E-Procure/Tender Notice/AJTB, दिनांक : 28.10.2024
निविदा सं. 92245994
विवरण : COFMOW विनिर्देश संख्या COFMOW/IR/MT/CNC AJTB/BG/2020 के अनुसार सहवर्ती सहायक उपकरण के साथ CNC यूनिवर्सल एक्सल जर्नल टर्निंग एवं बर्निशिंग लेद (BG के लिए) ट्रेड डाइऐमिटर-1300-723 MM, एक्सल लंबाई-2650-2080 MM (डबल टूल पोस्ट के साथ) की आपूर्ति, संस्थापन, ट्रायल रन (Trial run), प्रशिक्षण एवं शुरुआत, मात्रा: 01 संख्यक, अनुमानित लागत : ₹2,21,61,401/-।
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 18.11.2024 को 1500 बजे।
उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/CRW/ मंचेश्वर
PR-691/P/24-25

**न्यायालय नायब तहसीलदार तिल्दा नेवरा जिला रायपुर (छ.ग.)**
**// उद्घोषणा //**
रा.प्र.क्रमांक / / अ-56 वर्ष 2023-2024
दिनांक 14/10/2024
ग्राम- मोहदा प.ह.न. 03
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शैल कुमार चौहान पिता चन्दु लाल चौहान निवासी ग्राम मोहदा तहसील तिल्दा नेवरा जिला रायपुर द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया हैं कि, मैं अभी वर्तमान मोहदा तिल्दा का कोटवार हूं । मेरा उम्र अधिक होने एवं वृद्ध होने तथा स्वसस्थ हमेशा खराब होने के कारण मै कोटवार का कार्य करने में असमर्थ हूं । तथा मेरे स्थान पर मेरे पुत्र शुभम कुमार चौहान पिता चन्दु लाल चौहान को ग्राम मोहदा का नया कोटवार नियुक्त करने का आवेदन पत्र पेश किया है। जिसकी सुनवाई न्यायालय तिल्दा में दिनांक 28/11/2024 को नियत है।
इस संबध मे किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति यदि हो तो वह स्वयं या अभिभावक या अपने विधिमान्य अभिकर्ता के द्वारा अपना दावा/ आपत्ति दिनांक 28/11/2024 तक प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा ।
आज दिनांक 14/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुहर से जारी किया गया।
मुहर
नायब तहसीलदार तिल्दा नेवरा

## राशिफल

**मेष** — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

**वृष** — व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

**मिथुन** — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

**कर्क** — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

**सिंह** — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

**कन्या** — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

**तुला** — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

**वृश्चिक** — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

**धनु** — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

**मकर** — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

**कुंभ** — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

**मीन** — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

# वृंदावन के आश्रम में गर्म खिचड़ी गिरने से 10 श्रद्धालु झुलसे

**मथुरा (उप्र)।** मथुरा में वृंदावन के गौरी गोपाल आश्रम में भोजन वितरण के दौरान एक कर्मचारी का पैर फिसल जाने से गर्म खिचड़ी से भरा भगौना श्रद्धालुओं पर पलट गया, जिससे पश्चिम बंगाल की 10 महिलाएं झुलस गईं। अधिकारियों ने बताया कि इन सभी महिलाओं को आश्रम की एंबुलेंस से संयुक्त जिला चिकित्सालय ले जाया गया। गंभीर रूप से झुलसीं दो श्रद्धालुओं को तुरंत आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। संयुक्त जिला चिकित्सालय की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक वंदना अग्रवाल ने बताया कि पश्चिम बंगाल के कुछ श्रद्धालुओं का एक समूह वृंदावन की धार्मिक यात्रा पर आया हुआ है और शुक्रवार सुबह सभी श्रद्धालु परिक्रमा मार्ग संत कॉलोनी स्थित गौरी गोपाल आश्रम पहुंचे, जहां आश्रम के बाहर प्रतिदिन की तरह भोजन वितरण किया जा रहा था। श्रद्धालु प्रसाद लेने के लिए कतार में खड़े थे। तभी खिचड़ी से भरा भगौना लेकर आ रहे एक कर्मचारी का पैर फिसल गया, जिससे गर्म खिचड़ी श्रद्धालुओं के ऊपर गिर गई। इस दौरान 10 महिला श्रद्धालु झुलस गईं और अफरातफरी की स्थिति पैदा हो गई।

**पूर्व तट रेलवे**
01 - नीलामी कैटलॉग नं.: WAT-Hyb-TSV-03
लॉट नं./वर्ग: HyB-OnB-153774-24-1 (Hybrid NFR-On-board Hybrid)
कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के दुव्वाडा-पुंडी, विशाखपट्टनम-रायगड़ा, रायगड़ा-कोरापुट, विशाखपट्टनम-किरंडुल, नौपाड़ा-गुणुपुर सेक्शन के बीच सभी ट्रेनों (राजधानी, वंदेभारत, दुरंतो, शताब्दी या किसी अन्य विशेष प्रीमियम ट्रेनों को छोड़कर जो निकट भविष्य में शुरू की जा सकती हैं) में विभिन्न विविध सामग्रीओं (खाद्य एवं PWD को छोड़कर) की बिक्री के लिए ठेका। उपयोग की गई रेक लिंक आईडी एवं रेक नंबर केवल तकनीकी अनुपालन के लिए है।
02 - नीलामी कैटलॉग नं.: WAT-MaChr-015
लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-CHE-BCA-12-23-1 (Misc-Static-Services-Battery Operated Carts with Advertisement)
विवरण : श्रीकाकुलम रोड रेलवे स्टेशन में यात्रियों को ले जाने के लिए BOC ऑपरेटरों/चालकों के साथ विज्ञापन सहित बैटरी चालित गाड़ियों (BOCs) की आपूर्ति, परिचालन एवं रख-रखाव।
लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : 06.11.2024 को 1200 बजे (क्र.सं. 01) एवं 12.11.2024 को 1100 बजे (क्र.सं. 02)
लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : 06.11.2024 को 1230 बजे (क्र.सं. 01) एवं 12.11.2024 को 1130 बजे (क्र.सं. 02)
न्यूनतम वृद्धि : 0.2%, लॉट स्थिति : ड्राफ्ट कैटलॉग में नया। (क्र.सं. 01 एवं 02)
संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर
PR-686/P/24-25

**कार्यालय नगर पालिका परिषद तिल्दा-नेवरा, जिला-रायपुर (छ.ग.)**
Phone- 07721-233326, Email- npalika_tilda@yahoo.in
क्रमांक/712/ लो.नि.वि./ न.पा./ 2024-25 तिल्दा- नेवरा, दिनांक 30.10.2024
**// ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना //**
नगर पालिका परिषद् तिल्दा- नेवरा सीमांतर्गत अधोसंरचना मद अंतर्गत कुल 05 कार्यो हेतु लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से लो.नि.वि. में प्रचलित भवन/ रोड एस.ओ.आर 01.01.2015 में निविदायें कम/ अधिक / बराबर प्रतिशत दर पर ऑनलाईन सिस्टम टेंडर क्रमांक 160782, 160780, 160783, 160784, 160781 ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रित की जाती है ।
उपरोक्त कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in/ से डाउनलोड की जा सकती है ।
**मुख्य नगरपालिका अधिकारी**
**नगर पालिका परिषद तिल्दा-नेवरा**

**NAGAR PANCHAYAT DONGARGAON**
**DISTT-RAJNANDGAON (C.G)**
Email- npdongargaon@gmail.com Fax-07745-271639
**e-PROCUREMENT TENDER NOTICE (1st Call)**
NIT NO. 1505 /PWD/2024-25/ DONGARGAON DATE-30/10/2024

| S. No. | System Tender No. | Name of Work/Description of Work | Amount of the Estimate (In Lakh) | Bid Submission Date |
|---|---|---|---|---|
| 01 | 160778 | Work of Laying Pipe Line at Ward 10 to 15 Matiya River to Water Tank | 42.32 | 30.10.2024 to 21.11.2024 |

The detailed Can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhatisgarh e-Procurement Main portal https://eproc.cgstate.gov.in/ From 30/10/2024 For More Details of the tender bidding process you may please visit the above mentioned portal.
Note-
1- All eligible/ interested contractors are mandated to get enrolled on e-procurement portal https://eproc.cgstate.gov.in/
2- The bids submitted online should be signed electronically with a Digital Certificate to establish the identity of the bidder bidding online. The registered contractors may obtain information required to issuance of Digital Certificate from e-Procurement system Help Desk, Toll Free No. 18002582502 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in
**Chief Municipal Officer**
**Nagar Panchayat Dongargaon**

## *शब्द पहेली - 5679*



**बाएँ से दाए-**
1. सेवक, दास-3
3. निवास करना-3
5. खुजली-2
6. परोपकारी-5
9. प्याला, जाम-2
11. टोंटी, नलका-2
12. आनंद, जूस-2
13. प्रतिज्ञा, शपथ-3
16. सिमरन, सुमरन-3
18. सुअर-3
20. पेन, लेखनी-3
22. कमल, जलज-3
23. क्रोध, गुस्सा-2
24. पाश, फंदा-2
25. शोषण करना-3
28. गौरव, प्रशंसा-3
30. सूत कातने का साधन-3
31. गौरव-3
33. देवर्षि-3
35. अंधकार-2
36. यमराज-2
38. अलमस्त-2
40. सलाह देने वाला-5
41. बीता दिन-2
42. रसदार-3
43. इंद्रियों को जीतने वाला-3

**ऊपर से नीचे**
1. उर्वरक-2
2. विशाल, श्रेष्ठ-3
3. धनवान, संपन्न-3
4. घ्राणेद्रिय, इज्जत-2
5. दैत्य, असुर-3
7. मायाजाल-3
8. उद्धार, पार लगाना-3
10. शरण, आश्रय-3
14. चूर-चूर, ढहा-5
15. टोंटी, नलका-2
17. युद्ध, संग्राम-2
18. दूल्हा-2
19. राजपुत्र-5
21. मद्रास का समुद्र तट-3
22. नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26. मित्र, दोस्त. मीत-2
27. हूर, अप्सरा
29. मेहंदी-2
30. शीर्ष, पराकाष्ठा-3
31. इसमें पौधा लगाते हैं-3
32. पीहर, नैहर-3
34. युक्तिवाद, पैरवी-3
35. टब, परात, तगारी-3
37. इच्छा-3
39. परत, तह-2
41. कदर, सम्मान-2

### *शब्द पहेली -5678 का हल*



## सूडोकु नवताल - 5692

★★★★★ कठिनतम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 8 | | | 4 | | | |
| 1 | | | | | | | | 9 |
| 3 | | | | 2 | | | 5 | |
| | | | 1 | | | | 8 | |
| | | 5 | | | | 4 | | |
| | 7 | | | | 9 | | | |
| | 6 | | | 3 | | | | 2 |
| 9 | | | | | | | | 1 |
| | | | 8 | | | 7 | | |

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल - 5691 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 6 | 8 | 5 | 9 | 1 | 4 | 7 | 9 |
| 7 | 9 | 1 | 4 | 6 | 3 | 5 | 8 | 2 |
| 2 | 4 | 5 | 7 | 2 | 8 | 6 | 3 | 1 |
| 9 | 1 | 3 | 2 | 5 | 4 | 8 | 6 | 7 |
| 4 | 6 | 2 | 8 | 1 | 7 | 9 | 5 | 3 |
| 5 | 8 | 7 | 6 | 3 | 9 | 1 | 2 | 4 |
| 3 | 2 | 4 | 1 | 8 | 5 | 7 | 9 | 6 |
| 8 | 7 | 6 | 9 | 4 | 2 | 3 | 1 | 5 |
| 1 | 5 | 9 | 3 | 7 | 6 | 2 | 4 | 8 |

रोबोट यानी इंसानों की तरह काम करने वाली मशीनों की संख्या, अब विकसित देशों में ही नहीं अपने देश में भी लगातार बढ़ रही है। एग्रीकल्चर, मेडिकल, सिक्योरिटी, स्पेस साइंस, हैवी मैन्युफेक्चरिंग यूनिट्स में ही नहीं टीचिंग और हॉस्पिटेलिटी में भी ये पूरी स्किल्स के साथ काम कर रहे हैं। गवर्नमेंट के सपोर्ट से निश्चित ही आने वाले कुछ वर्षों में भारत रोबोटिक पॉवर के रूप में भी दुनिया के टॉप देशों में शामिल हो जाएगा।

# हर क्षेत्र में हो रहा है रोबोट रिवोल्यूशन

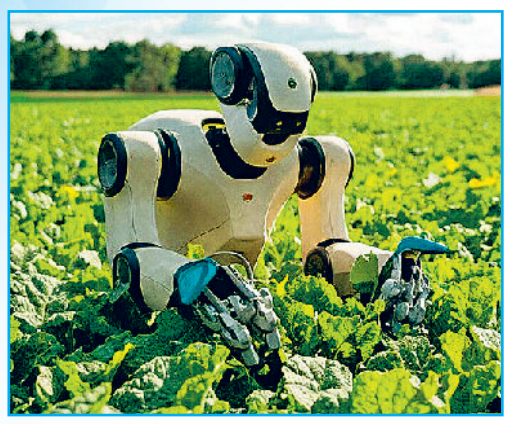

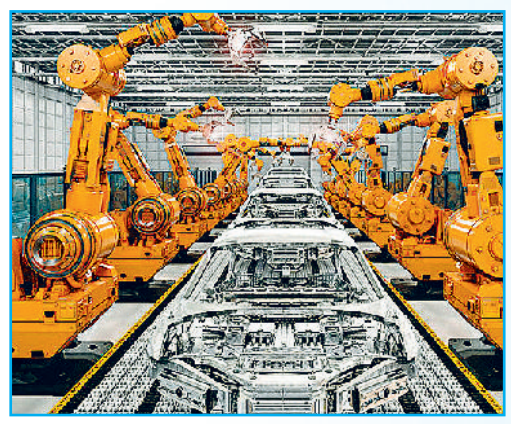

{ कवर स्टोरी / संजय श्रीवास्तव }

कारखानों में काम-काजी रोबोट इस्तेमाल करने वाले देशों में संसार भर में भारत सातवें नंबर पर पहुंच गया है। सरकार की राष्ट्रीय रोबोट रणनीति का इस सफलता में बहुत बड़ा हाथ है। देखना होगा कि रोबोटिक्स के क्षेत्र में 2030 तक का जो लक्ष्य सरकार ने रखा है, वह किस स्तर तक हासिल कर सकेगी? इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने पिछले साल सितंबर में राष्ट्रीय रोबोटिक्स रणनीति का मसौदा जारी किया था। उद्देश्य था, रोबोटिक टेक्नोलॉजी के इनोवेशन को मजबूत कर 2030 तक देश को रोबोटिक्स का हब बनाना। रोबोटिक्स के प्रति सरकार की यह पहल सफल मानी जा सकती है।

## हजारों रोबोट्स कर रहे काम

अंतरराष्ट्रीय रोबोटिक्स महासंघ की रिपोर्ट बताती है कि ऑटोमेशन की तकनीक अपना चुके हमारे कारखानों में 8551 रोबोट काम कर रहे हैं। दुनिया भर के कारखानों में कार्यरत 43 लाख रोबोटों की संख्या और बीते तीन साल से हर साल उनमें 5 लाख से ज्यादा की बढ़ोत्तरी को देखें तो हमारे देश में काम करने वाले रोबोट्स की तादाद मामूली है। देश में चलने वाले कारखानों की संख्या पर गौर करें तो रोबोट कार्यबल की सघनता नगण्य हो जाती है लेकिन उल्लेखनीय है कि कारखानों में रोबोट कार्यबल के मामले में भारत, संसार के देशों में अब सातवें नंबर पर पहुंच गया है। यह स्थान हमने बहुत तेजी से चलकर हासिल किया है। दो साल पहले इस मामले में भारत दुनिया में 10 वें स्थान पर था। पिछले पांच वर्षों में देश में इंडस्ट्रियल रोबोट की संख्या दोगुनी हो गई। 2016 से हमने रफ्तार पकड़ी तो 2023 तक 44,958 इकाइयों की संख्या पा ली। 2023 में 8510 नए रोबोट काम पर लगे तो जाहिर है, इस क्षेत्र में बीते एक साल में 54 फीसद की बढ़ोत्तरी हुई।

रोबोट मित्रा

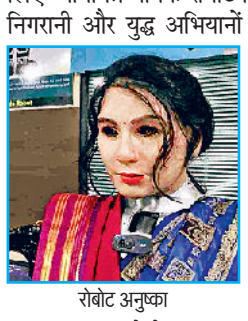

रोबोट अनुष्का

खच्चर रोबोट्स

## लगातार बढ़ रही है संख्या

देश के उद्योगों में ऑटोमेशन बढ़ने के अनुपात में ही रोबोट वर्कर की संख्या भी बढ़ती जा रही है। ऑटोमोटिव और मैन्युफेक्चरिंग एरियाज में रोबोटिक्स की मांग ने इनकी संख्या में खासा इजाफा किया है। ऑटोमोटिव क्षेत्र में तो रोबोट इंस्टॉलेशन में रिकॉर्ड 139 फीसद की बढ़त दिखी। कार निर्माता और इंस्ट्रूमेंट्स बनाने वाले यूनिट्स, रोबोट्स का काफी इस्तेमाल कर रहे हैं। देश में उद्योगों के अलावा दूसरे क्षेत्रों, आम जनजीवन में भी रोबोट का इस्तेमाल को बढ़ता देख आज साठ से अधिक स्टार्टअप रोबोट्स बना रहे हैं।

## कई कंपनियां बना रहीं रोबोट्स

कई कंपनियां मानवीकृत रोबोट भी बना रही हैं। अनुष्का, मानव, मित्रा, शालू जैसे इसके उदाहरण हैं। इनमें से कोई सर्जन का काम करता है, कोई टीचर का तो कोई रिस्पेशनिस्ट बनकर गेस्ट्स का स्वागत भी करता है। हमारा इसरो संस्थान, अंतरिक्ष में भेजने के लिए व्योममित्र नामक रोबोट विकसित कर रहा है, तो सेना ने निगरानी और युद्ध अभियानों में सहायता के लिए कुत्तानुमा रोबोटिक विकसित किया है, जिसे खच्चर नाम दिया गया है। सीवर की सफाई में सफाईकर्मी की जान ना जाए, इसके लिए आईआईटी कानपुर ने रोबोट बनाया है, तो एडवर्ब कंपनी ने रक्षा, स्वास्थ्य आदि के क्षेत्रों में काम करने वाले बेहद कारगर रोबोट्स बनाए हैं। स्वदेशी रोबोटिक सर्जन मंत्रा ने सफल रोबोटिक कार्डियक सर्जरी का शतक पूरा किया, तो कुछ कंपनियों ने कैंसर, मूत्र और स्त्री रोग संबंधी ऑपरेशन, कीटाणुशोधन और स्वच्छता, पेशेंट स्क्रीनिंग, डिस्टेंस ट्रीटमेंट, भोजन और दवाओं की आपूर्ति जैसे कामों के लिए कई रोबोट तैयार किए हैं, इस उम्मीद के साथ कि भारत भी रोबोटिक्स के क्षेत्र में जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी और सिंगापुर की बराबरी में जल्द खड़ा हो जाएगा।

## बहुत तेजी से बढ़ेगा रोबोटिक्स कारोबार

प्रयागराज, दिल्ली, हैदराबाद के प्रौद्योगिकी संस्थान एक साथ मिलकर उद्योग, कृषि, शिक्षा, सुरक्षा और घरों के लिए उपयोगी रोबोटिक्स तकनीक निर्मित करने में लगे हैं। पहले प्रशिक्षण फिर अनुसंधान और इसके आगे इन्हें प्रयोग में लाया जाएगा। सरकार ने रोबोटिक्स के लिए नेशनल पॉलिसी के तहत रोबोट बनाने से लेकर रोबोटिक्स अपनाने के लिए वित्तीय सहायता देने का जो ऐलान किया है, उसका सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। रोबोट बाजार पर नजर रखने वाली संस्थाएं कहती हैं कि 2027 तक संसार भर में जितने औद्योगिक रोबोट स्थापित होंगे, उनका सबसे बड़ा हिस्सा दक्षिण एशियाई देशों में होगा। देश एआई के क्षेत्र में उल्लेखनीय बढ़त और उपलब्धियां हासिल करता जा रहा है, सरकार द्वारा रोबोटिक्स के क्षेत्र में शोध, अनुसंधान, निर्माण और उसके व्यापक प्रयोग के लिए किए जा रहे विशेष प्रयास, इस क्षेत्र को और सबलता दे रहे हैं। देश में साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथ्स के क्षेत्र में व्यापक प्रैक्टिकल एक्सपीरियंस रखने वाले वैज्ञानिकों, तकनीकिज्ञों का एक बड़ा समूह मौजूद है, जो देश को एआई और रोबोटिक्स टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अग्रणी बनाएगा। सरकारी प्रोत्साहन और वैश्विक रुझान के चलते भारतीय रोबोटिक्स क्षेत्र के विकास और प्रसार के लिए बनती संभावनाएं, यह उम्मीद बंधाती हैं कि 2030 तक देश रोबोट हब के रूप में स्थापित हो जाएगा और रोबोट यूज के मामले में हम संसार में पांचवें स्थान के करीब पहुंच जाएंगे। यह ग्लोबल ईकोनॉमी में हमें ऊपरी पायदान पर जाने में मदद करेगा।

## खुलेंगे नए जॉब्स के अवसर

रोबोट्स के बढ़ने से बेशक इंसानों की नौकरियों में कुछ कटौती होंगी पर इनके आने पर कुछ नए काम और नौकरियां जेनरेट भी होंगी। नहीं भूलना चाहिए कि यह क्षेत्र बहुत व्यापक है। ढेरों संभावनाओं से भरा भी। वर्ष 2023 में रोबोटिक्स का वैश्विक बाजार 51 अरब डॉलर था, जो वर्ष 2030 तक 23 फीसद की दर से 215 अरब डॉलर तक पहुंचेगा। अपने देश में भी इसका बाजार बड़ा है। विशेषज्ञ कहते हैं कि वर्ष 2030 तक, भारतीय रोबोटिक्स का सालाना बाजार साढ़े चार अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इसलिए रोबोट्स की वजह से जॉब क्राइसिस को लेकर डरना सही नहीं लगता है।

## सुरक्षा का रखना होगा ध्यान

रोबोट्स के बढ़ते बाजार, विकास और इसकी व्यापकता को देखते हुए सरकार और उद्योग जगत को यह ध्यान में रखना होगा कि एआई और रोबोटिक्स सिस्टम अकसर बड़ी मात्रा में डेटा पर काम करते हैं। इसमें आए दिन सेंध लग रही है। इस डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। डेटा में गड़बड़ी, हेरफेर और सुरक्षित हाथों में पड़ने से भारी विनाश का सामना करना पड़ सकता है। रोबोटिक्स से संबंधित प्रमुख क्षेत्रों जैसे- एआई, मशीन लर्निंग और कंप्यूटर विजन आदि में रिसर्च के लिए और ज्यादा इंवेस्ट करना होगा। रोबोटिक्स केंद्रों और इनक्यूबेटरों की स्थापना, रोबोटिक्स कंपनियों और स्टार्टअप्स के टैक्स में छूट बढ़ानी होगी। उद्योगों को रोबोटिक्स निर्माण और उसे अपनाने को प्रेरित करने के लिए वित्तीय सहायता बढ़ानी होगी। यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि इसका लाभ महज बड़े उद्यमी, उद्योग या साधन संपन्न लोगों तक सिमटकर ना रह जाए। इसके लाभ हर स्तर के लोगों तक पहुंचें, तभी अपने देश में रोबोट रिवोल्यूशन पूरी तरह सफल साबित होगा। *

# सौ साल बाद कैसा होगा इंसान

मानव विकास के हजारों वर्षों के इतिहास को देखें तो इंसानी शरीर में बहुत परिवर्तन होते रहे हैं। ऐसे में यह बहुत दिलचस्प और कौतुहल जगाने वाला सवाल है कि सौ साल बाद का इंसान कैसा होगा?

{ फ्यूचर जोन / एन. के. अरोड़ा }

वैज्ञानिकों के बीच ऐसे जिज्ञासापूर्ण सवाल हमेशा पूछे जाते रहे हैं और सालों साल भले पूछे जाने वाले ये सवाल ज्यों के त्यों रहते रहे हों, लेकिन इनके जवाबों में बदलाव होते रहे हैं। मसलन, पिछली सदी के पांचवें-छठवें दशक में जब वैज्ञानिकों के बीच यह सवाल उठता था कि आखिर सौ साल बाद का इंसान कैसा होगा? तो ऐसे सवालों के जवाब में आमतौर पर प्राचीन इतिहास के नायकों की तस्वीरें सामने रखी जाती थीं और आज के इंसान की तस्वीरों से उनका मिलान किया जाता था और फिर इस निष्कर्ष पर पहुंचा जाता था कि दिखने के स्तर पर तो कोई खास बदलाव नहीं होगा। वैज्ञानिक अपने इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए 3500 साल पहले के मिस्र के राजाओं, रानियों, विशेषकर रानी हत्शेपसुत और ऑगस्टस सीजर से लेकर नेपोलियन और क्वीन विक्टोरिया तक की तस्वीरें देखकर इस निष्कर्ष पर पहुंचते थे कि दिखने में हजारों साल पहले के लोग भी आज के जैसे ही थे। दिखने में 3500 साल पहले की रानी हत्शेपसुत और 25 साल की क्वीन विक्टोरिया में कोई फर्क या भिन्नता नहीं दिखती थी। इससे निष्कर्ष यह निकलता था कि 100, 200 या कई सौ सालों बाद भी इंसान के रूप-रंग, दिखावट, बनावट आदि में कोई खास अंतर नहीं होगा। लेकिन यह सही नहीं था। वास्तव में यह गफलत भरा आकलन तस्वीरों में देखने के कारण था, क्योंकि तस्वीरों की अपनी सीमाएं होती हैं, भले वो बहुत कुछ दिखाती हों, लेकिन कुछ छुपाती भी हैं।

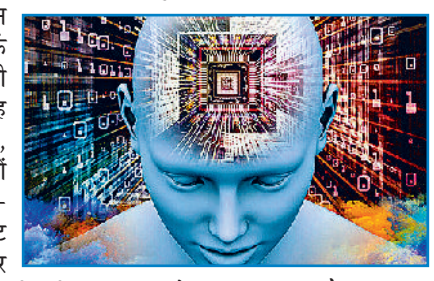

**बढ़ रही है औसत आयुः** अलग-अलग दौर के ऐतिहासिक व्यक्तित्वों के चेहरे-मोहरे, भले आज के जैसे इंसानों की तरह रहे हों, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इतिहास में ज्यादातर महान लोग 50 साल से भी कम जिए हैं, क्योंकि तब औसत आयु ही बहुत कम थी। जबकि आज दुनिया के सबसे गरीब देश में भी औसत आयु 50 साल है। भारत में आजादी के समय जवानी की उम्र 20 साल और 40 साल के बाद बुढ़ापा शुरू हो जाता था। 1950 तक भारत में औसत आयु 39-40 साल थी और विशेष लोग भी 50 साल के बाद बेहद बूढ़े हो जाते थे। पिछली सदी के 50-60 के दशक में अगर 60 साल का होकर कोई मरता था, तो उसे बहुत दिनों तक जिया समझा जाता था, लेकिन आज भारत में पुरुषों की औसत आयु 71 साल और महिलाओं की आयु 75 साल हो चुकी है।

**अनुमान लगाना हुआ संभवः** पहले भले 100 सालों बाद के इंसान को वैज्ञानिक स्पष्ट बदलावों के साथ चिन्हित ना कर पाते रहे, लेकिन आज उनके पास ऐसा कर पाने की सटीक तकनीकी कौशल है। इसलिए वैज्ञानिकों के मुताबिक 100 साल बाद यानी करीब 2125 और उसके बाद के इंसानों की औसतन उम्र बढ़कर करीब 100 साल हो जाएगी। कुछ देशों में यह 120 से 125 साल तक जा सकती है। अनुमान है कि इंसान इस निरंतर विकास की चरम स्थिति पर पहुंच कर कम से कम 150 सालों तक जिएगा। लेकिन अगर फिलहाल इसी बात पर फोकस रखें कि 100 साल बाद आज का इंसान कैसा होगा, तो इसमें कुछ और बदलाव नजर आएंगे।

**ऐसा होगा भविष्य का इंसानः** 100 साल बाद के इंसान का कद आज के इंसान से थोड़ा लंबा हो जाएगा। शरीर ज्यादा वजनदार हो जाएगा। लेकिन व्यक्तित्व में बहुत कम आक्रामकता और स्वभाव में मिलनसारिता ज्यादा बढ़ जाएगी। ज्यादातर पुरुषों की ऊंचाई और बनावट एक जैसी हो जाएगी। इस बात पर मतभेद है कि ये पुरुष हल्के होंगे या भारी वजन के, क्योंकि कुछ वैज्ञानिक कहते हैं कि भविष्य के पुरुष ज्यादा मोटे-ताजे होंगे तो कुछ दूसरों का मानना है कि जरूरत से ज्यादा दुबले-पतले होंगे। एक और जो खास बदलाव अचंभित करेगा, वह यह कि दुनिया के ज्यादातर लोगों की त्वचा का रंग धीरे-धीरे एक जैसा हो जाएगा यानी यह हल्का सांवला या गाढ़ा होगा। तब यूरोप, अमेरिका, उत्तरी ध्रुव और कनाडा से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक ज्यादातर पुरुष एक जैसे दिखेंगे, हल्के सांवले। इसके अलावा सौ साल बाद करीब-करीब सभी बच्चे बिना अक्लदाढ़ के पैदा होने लगेंगे। क्योंकि इंसानी शरीर में उसकी जरूरत नहीं बची है।

**विकास-भौगोलिक स्थितियांः** जहां तक इंसानों के साथ-साथ दुनिया के विकास की बात करें तो वर्तमान दुनिया में विकास के मामले में एक-दूसरे से बिल्कुल भिन्न स्थितियां हैं, 100 साल बाद वैसी स्थितियां ज्यादा नहीं दिखेंगी। करीब-करीब हर जगह का विकास लगभग एक जैसा होगा। मनुष्य का मस्तिष्क आसानी से कंप्यूटर इंटरफेस का उपयोग कर सकेगा। अंतरिक्ष यात्रा आम हो जाएगी, जैसे हम आजकल एक हफ्ते की छुट्टियों पर आस-पास के हिल स्टेशन घूमने जाते हैं, वैसे ही 100 साल बाद लोग ऐसी छुट्टियों पर चांद-तारों का सफर करना पसंद करेंगे यानी अंतरिक्ष यात्रा बहुत आसान हो जाएगी। 100 साल बाद आंख, दांत और शरीर के कई दूसरे अंगों का प्रत्यारोपण इतना आम हो जाएगा, जैसे आज की तारीख में सर्दी-जुकाम का इलाज। कह सकते हैं कि सौ साल बाद के इंसान की शक्ल-सूरत में भले ही थोड़ा बदलाव हो लेकिन उसके लिए जीवन काफी आसान और लंबा हो जाएगा। *

{ कविता / आरती 'आस्था' }

## चुक गईं भावनाएं

देखा है मैंने
पत्थरों पर निशान पड़ते
पानी के

इसलिए बहाई भावनाएं
पानी की तरह
पाषाण हृदयों में
निशान तो नहीं पड़ पाए
भावनाएं जरूर चुक गईं मेरी
अनवरत बहते-बहते

उद्गम पानी के असंख्य हैं
जबकि भावनाओं का
मरुज मेरा हृदय...

{ लघुकथाएं }

## लड़के में खोट

उसकी शादी के लिए इक्के-दुक्के प्रस्ताव तो उसकी मेडिकल की पढ़ाई के दौरान भी आते रहते थे, लेकिन पढ़ाई समाप्त करके सरकारी नौकरी ज्वॉइन करते ही उसके सामने वैवाहिक प्रस्तावों की मानों झड़ी-सी लग गई थी। आए दिन कोई ना कोई लड़की वाला पहुंचा ही रहता था। चूंकि पिता के ना रहने के कारण अपनी बहनों की शादी के समय उसे दान-दहेज की समस्या से काफी सामना करना पड़ा था, इसलिए मेडिकल की पढ़ाई के दौरान ही उसने निश्चय कर रखा था कि बिना दहेज लिए अपनी शादी करके एक सामाजिक आदर्श स्थापित करेगा।

एक दिन कानपुर के एक व्यापारी सज्जन अपनी बेटी की शादी का प्रस्ताव लेकर आए थे। उन्होंने जैसे ही लेन-देन की बात प्रारंभ की उसने स्पष्ट कह दिया, 'ऐसा है सेठ जी कि दहेज के नाम पर मुझे एक पैसा भी नहीं लेना है। बगैर दान-दहेज के शादी करनी है मुझे।'

सेठ जी चौंके, 'अरे! आप भी क्या मजाक करते हैं डॉक्टर साहब...। भई, पांच लाख नकद, दो लाख के जेवर और घर-गृहस्थी का सारा सामान तो हम अपनी मर्जी से देने को तैयार हैं। इसके अलावा भी अगर आपकी कोई विशेष फरमाइश हो तो निसंकोच बताइए, हम उसे भी पूरी करने की कोशिश करेंगे।'

'जी नहीं, मेरी कोई फरमाइश नहीं है। मैं लड़की को सिर्फ उसके पहने हुए कपड़ों में विदा कराके ले जाना चाहूंगा। मुझे ना तो आपका पैसा चाहिए, ना जेवर चाहिए और ना ही कोई साजो-सामान।' उसने साफ-साफ कहा।

'अरे वाह! भला यह कैसे हो सकता है? हम कोई इतने गए-गुजरे तो हैं नहीं कि अपनी लड़की को ऐसे ही विदा कर देंगे। अपनी जग-हंसाई थोड़े ना करानी है हमें। अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा का भी तो ध्यान रखना है।' सेठ जी ने तमक कर कहा और लौट गए।

बनारस वाले ठेकेदार ने तो आते ही एक कार और तीन लाख नकद देने की पेशकश कर दी थी। जब उसने अपने दहेज ना लेने के संकल्प के बारे में बताया तो ठेकेदार महोदय ठठाकर हंस पड़े और बोले, 'भई! हमारी तो तीन बेटों के बीच इकलौती बेटी है। हमने बहुत लाड़-प्यार से पाला है उसे। हम तो खूब धूम-धाम से उसकी शादी करेंगे। अगर आपने समाज सुधार का ठेका लिया है तो किसी गरीब, असहाय का उद्धार कीजिए। अच्छा है किसी गरीब का भला हो जाएगा।'

सेठ जी और ठेकेदार महोदय के व्यवहार से वह इतना खिन्न हुआ कि कई लड़की वालों को उसने बात किए बगैर ही लौटा दिया। लेकिन जब प्रतापगढ़ वाले गुप्ता जी पीछे ही पड़ गए तो उनसे बातचीत करनी पड़ी। उसने प्रारंभ में ही कह दिया, 'देखिए श्रीमान जी! मुझे ना तो एक भी पैसा नकद चाहिए और ना ही दान-दहेज का कोई सामान।'

'क्या सच?' गुप्ता जी एकदम से चौंक पड़े। उन्होंने जो कुछ सुना, उस पर सहसा विश्वास नहीं हुआ उन्हें।

'जी हां...बिल्कुल सच। आप सोच लीजिए...यदि आपको मेरी शर्त स्वीकार हो तो आगे बात की जाए और बात भी क्या करनी है, यदि आपकी लड़की शारीरिक-मानसिक रूप से स्वस्थ है, सामान्य पढ़ी-लिखी, सामान्य शक्ल-सूरत की भी है तो शादी तय होने में कोई अड़चन नहीं होगी।' उसने कहा और चाय-नाश्ते का प्रबंध करने के लिए घर के अंदर चला गया।

एकांत पाकर गुप्ता जी अपने साथ आए व्यक्ति, जो संभवतः उनका भाई था, उससे बोले, 'भाई! मुझे तो दाल में कुछ काला नजर आ रहा है। या तो लड़के में कोई खोट है या फिर इसके परिवार में कोई गड़बड़ी है। वरना आज के युग में सरकारी डॉक्टर लड़का बगैर दान-दहेज के, बगैर कोई नाज- नखरा दिखाए इतनी जल्दी शादी के लिए तैयार हो जाता क्या?'

'आप ठीक कह रहे हैं भाई साहब... मेरे मन में भी खटका हो रहा है। मैं भी यही विचार कर रहा हूं कि कुछ ना कुछ बात तो जरूर है, वरना इतना बड़ा त्यागी, महात्मा भला कौन है आज के जमाने में। हर कोई दान-दहेज चाहता है। हमें पहले लड़के और इसके परिवार के बारे में पूरी जानकारी करने के बाद ही बातचीत आगे बढ़ानी चाहिए।' गुप्ता जी के भाई ने सोच-विचारकर जबाब दिया। वह चाय-नाश्ते पानी का प्रबंध करके घर के भीतर से ड्राइंगरूम में वापस आया तो गुप्ता जी बोले, 'अच्छा डॉक्टर साहब! आपका पक्ष जान लिया हमने... अब घर में राय-मशविरा करने के बाद में फिर आएंगे।' चाय पीने के बाद गुप्ता जी ने कहा और चले गए। *

-अखिलेश श्रीवास्तव 'चमन'

## हाईटेक संवेदनाएं

आज मुकेश अपने फेसबुक और व्हाट्सएप की डीपी में अपनी मां के साथ दिख रहा था। यह देखकर मुकेश के एक सहकर्मी को जिज्ञासा हुई, 'क्या बात है? मुकेश को आज अपनी मां बहुत याद आ रही है। वरना वह तो हमेशा अपनी पत्नी के साथ रोमांटिक अंदाज में ही फेसबुक पर अपनी फोटो डालता है। मां तो बेचारी गांव में अकेली रहती हैं। पता नहीं मुकेश बाबू कभी मिलने जाते हैं भी या नहीं?'

'इतने वर्षों के बाद पहली बार डीपी में मुकेश अपनी माता जी के साथ दिखा।' एक अन्य सहकर्मी भी बोला।

तभी चपरासी ने एक प्रार्थना-पत्र कार्यालय प्रभारी को दिया और बोला, 'सर, आज मुकेश बाबू की माता जी का देहांत हो गया है। यह उनका छुट्टी का प्रार्थना पत्र है।'

यह सुनकर वर्मा जी तुरंत बोले, 'तभी तो मुझे आज आश्चर्य हुआ कि मुकेश की डीपी में आज माता जी कैसे आ गईं? ना तो आज मदर्स -डे है, ना तो वृद्ध दिवस।'

यह सुनकर कार्यालय प्रभारी अपने पास ही रखे डस्टबिन में पान की पीक थूकते हुए बोले, 'क्या है वर्मा बाबू, अब संवेदनाएं लोगों के मन में नहीं, फेसबुक, व्हाट्सएप तक सिमट गई हैं। अब किसके पास इतना वक्त है कि किसी के अंतिम क्रिया-कर्म में शामिल हो। उनके घर जाकर संवेदना प्रकट करे। मोबाइल से हम लोगों को सुविधा हो गई है। घर बैठे श्रद्धांजलि अर्पित कर दो, हो गया।'

कुछ ही देर बाद कार्यालय के सभी लोगों ने व्हाट्सएप ग्रुप पर मुकेश को अपनी श्रद्धांजलि भेज दी और सभी अपने-अपने काम में व्यस्त हो गए। *

-डॉ. शैल चंद्रा

निवेश एक लॉन्ग टर्म वेंचर है। अल्पकालिक मुनाफा अक्सर भ्रामक होता है। आप जितना लंबा निवेश करेंगे, कम्पाउंड इंटरेस्ट की ताकत उतना बेहतर रिटर्न दिला सकती है। अपने निवेश को कम से कम पांच साल का वक्त जरूर दें। ध्यान रखें कि उतार-चढ़ाव बाजार का हिस्सा है। ऐसे में गिरावट पर पैनिक न हों। निवेश को हर साल कम से कम 10% बढ़ाएं।

# छोटी-छोटी बचत भी बना सकती है करोड़पति, सही तरीके से करें निवेश

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- जीवन में पैसा कमाना और फिर उसे बचाना भी बहुत जरूरी
- अपने छोटे-छोटे खर्चों में कटौती कर जमा कर सकते हैं पूंजी
- रोजना 100 रुपये बचाकर भी आप बन सकते हैं करोड़पति
- पावर ऑफ कंपाउंडिंग को पहचानें और निवेश करते जाएं

जीवन में जितना जरूरी है पैसा कमाना उतना ही जरूरी है उसे बचाना भी। पता नहीं किस समय किस राह पर अचानक जरूरत पड़ जाए। उस समय आपको किसी की और मदद की दृष्टि से नहीं देखना पड़ेगा। आप आसानी से अपना काम निकाल लेंगे। कई लोग पैसा तो खूब कमाते हैं, लेकिन उनकी बचत बिलकुल भी नहीं हो पाती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपके कुछ एक्स्ट्रा खर्चों पर लगाम लगाकर बचत कर सकते हैं। इतना ही नहीं छोटी-छोटी बचत के जरिये आप करोड़पति भी बन सकते हैं। बात करें कॉफ़ी की तो रोज रोज सुबह शाम पी जाने वाली कॉफ़ी को छोड़कर भी आप करोड़ों रुपये कमा सकते हैं। कई लोग ऐसे हैं जो सुबह शाम कॉफ़ी पीते हैं और कई ऐसे भी है जो दिन में 3 से 4 बार कॉफ़ी पीते हैं। बाहर यदि आप रोज की तीन कॉफ़ी भी पीते हैं तो आप कम से कम 100 रुपये खर्च करते हैं। आप इसे निवेश करेंगे तो पावर ऑफ कंपाउंडिंग के जरिये करोड़ों

### ऐसे बचाएं रोज के 100 रुपये

ऐसे बहुत से रोज के खर्चे होते हैं, जिन्हें आप कम कर सकते हैं। फिर चाहे वह चिप्स या कुरकुरे के पैकेट हो या फिर ऐसे ही अन्य कोई चीज। जिन्हें छोड़कर आप बचत कर सकते हैं। आप जब लंबे समय तक रोज के 100 रुपये निवेश करते हैं तो भविष्य में आपके पास अच्छा फंड जमा हो जाएगा। सही निवेश और कंपाउंडिंग के पावर से आप करोड़पति बन सकते हैं।

### इसे ऐसे समझें

मान लेते हैं कि आपने रोज 100 रुपये यानी महीने में 3000 रुपये बचाए। अब बारी आती है इन्हें निवेश करने की। तो आपको सही निवेश प्लान का भी चयन करना होगा, जिसमें ज्यादा ब्याज दर मिले। लम्बी अवधि के लिए म्यूचुअल फंड और एनपीएस को सही माना जा सकता है। हर महीने म्यूचुअल फंड और एनपीएस में निवेश के जरिये आप करोड़पति बन सकते हैं। यदि आप अपनी नौकरी की शुरुआत यानी मान लेते हैं 25 साल की उम्र में निवेश की शुरुआत करते हैं और हर महीने कम से कम तीन हजार रुपये 60 साल की उम्र तक निवेश करते हैं इन 35 सालों में आप 12.60 लाख रुपये जमा कर लेंगे।

### ऐसे बनेगा करोड़ों का कॉर्पस फंड

35 वर्षों में आपके निवेश पर कंपाउंडिंग इंट्रेस्ट यानी चक्रवृद्धि ब्याज के कारण आप 1.02 करोड़ रुपये का ब्याज कमा लेंगे। यानी आपके पास कुल 1.15 करोड़ रुपये जमा हो जाएंगे। कंपाउंडिंग इंट्रेस्ट में आपको ब्याज पर ब्याज मिलता है। जिसमें आपको एक करोड़ रुपये से ज्यादा का ब्याज मिल जाता है।

**निवेश कब शुरू करें :** पेड़ लगाने का सबसे बेहतर वक्त 20 साल पहले था। दूसरा सबसे अच्छा समय अब है। इस कहावत को निवेश के नजरिए से देखें तो हम जितना जल्दी निवेश शुरू करेंगे, रिटर्न भी उतना बेहतर मिल सकता है। इस निवेश से घर, कार लेने, यात्रा करने, ड्रीम प्रोजेक्ट शुरू करने या भविष्य में अपने बिलों का भुगतान करने में मदद मिल सकती है।

**मैं निवेश रणनीति कैसे बनाऊं :** जिस तरह आप बिना ब्लूप्रिंट के घर नहीं बना सकते, उसी तरह निवेश शुरू करने से पहले एक रणनीति का होना जरूरी है। सबसे पहले, अपने भविष्य में निवेश करने के लिए कुछ पैसे अलग रखें। साथ ही, 6-9 महीने के खर्चों को कवर करने के लिए एक अलग इमरजेंसी फंड बनाएं। अभी निवेश करना शुरू करें और खुद को शिक्षित करें, ताकि आप अपने निवेश पर लक्ष्यों के अनुरूप रिटर्न पाने के लिए गणना और जोखिम का आकलन कर सकें।

**कैसा बनाएं पोर्टफोलियो :** नए निवेशकों को पोर्टफोलियो बनाने के लिए डाइवर्सिफिकेशन और एसेट्स एलोकेशन पर फोकस करना चाहिए। म्यूचुअल फंड्स, ब्लूचिप स्टॉक्स, गोल्ड ईटीएफ जैसे सुरक्षित विकल्प चुन सकते हैं। नए निवेशक 100 माइनस उम्र के थंब रूल को फॉलो कर सकते है। मान लीजिए किसी की उम्र 30 साल है तो 100-30=70 यानी यह निवेशक 70% हिस्सा इक्विटी में निवेश कर सकते हैं। बाकी 30% हिस्से को गोल्ड, बॉन्ड और रिटायरमेंट फंड में बराबर-बराबर बांट सकते हैं। लॉन्ग टर्म में ब्लूचिप और इंडेक्स फंड में निवेश करने की बड़ी वजह रीजनेबल ग्रोथ के साथ कम जोखिम है। इंडेक्स और ब्लूचिप स्टॉक्स में निवेश से डाइवर्सिफिकेशन का भी फायदा मिलता है। पिछले तीन साल में इस तरह के निवेश में सालाना 15-18% तक का कम्पाउंडिंग मुनाफा देखा गया है। अगले 5 साल में इंडेक्स फंड से 13-15 फीसदी कम्पाउंडिंग सालाना रिटर्न की उम्मीद की जा सकती है।

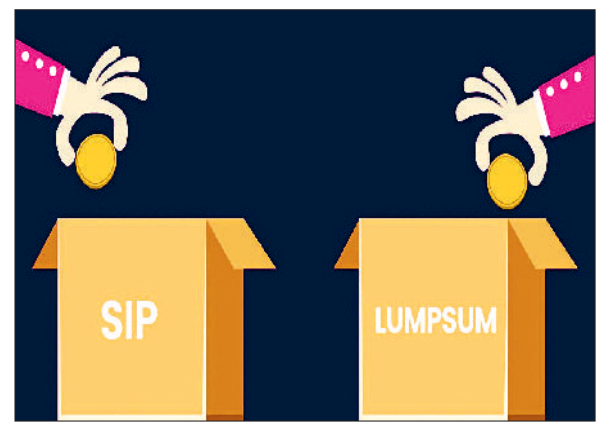


*म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों की संख्या में पिछले कुछ समय से काफी तेजी आ रही है। एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करना निवेशकों को ज्यादा भा रहा है। म्यूचुअल फंड में एसआईपी और एकमुश्त, दो तरीके से निवेश कर सकते हैं। इससे आप आसानी से अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं और खुद को आर्थिक रूप से मजबूत बना सकते हैं। हालांकि निवेश करने से पहले एक बार जांच परख जरूर कर लें।*

# निवेश के लिए क्या सही एसआईपी या एकमुश्त किसमें कितना दम

**बाजार को जानें**

- म्यूचुअल फंड में निवेश करने का कौन-सा तरीका सही
- म्यूचुअल फंड में निवेशकों की संख्या लगातार बढ़ रही
- एसआईपी के जरिए या एकमुश्त रकम कर सकते हैं निवेश
- दोनों में मिलने वाले औसतन सालाना ब्याज की दर अलग

मनी मंत्रा
बिजनेस डेस्क

भारत में इस समय म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। अच्छे रिटर्न की चाहत में निवेशक इस स्कीम की ओर ज्यादा जोर दे रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक अब ग्रामीण क्षेत्र के युवा भी म्यूचुअल फंड में जमकर निवेश कर रहे हैं और अच्छा मुनाफा कमा रहे है। वहीं शहरों में तो लोग पहले से ही म्यूचुअल फंड के प्रति जागरूक रहे हैं। दूसरी तरफ, शेयर मार्केट के जोखिम ने भी निवेशकों को म्यूचुअल फंड की ओर आकर्षित किया है। म्यूचुअल फंड में ज्यादातर निवेशक एसआईपी के जरिए ही निवेश करना पसंद करते हैं। यानी हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम। यह रकम हर महीने 200 रुपये से लेकर 10 हजार या इससे ज्यादा भी हो सकती है। इससे निवेशकों पर ज्यादा जोर भी नहीं पड़ता और आसानी से पैसे रकम भी बढ़ती जाती हैं। कुछ ही समय में यह निवेश काफी अच्छा रिर्टन निवेशकों को दे देता है। दरअसल, म्यूचुअल फंड की स्कीम में दो तरह से निवेश किया जाता है। पहला एसआईपी के जरिए और दूसरी लंपसम यानी एकमुश्त। जिन लोगों के पास निवेश करने के लिए एकमुश्त रकम नहीं होती, वे एसआईपी के जरिए हम महीने थोड़ी-थोड़ी रकम निवेश करके बड़ा फंड तैयार करते हैं। जितने भी म्यूचुअल फंड होते हैं, लगभग सभी की सालाना ब्याज दर एसआईपी और लंपसम, दोनों के लिए अलग-अलग रहती है।

### किसमें मिलता है ज्यादा ब्याज

अब बात आती है म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश करके ज्यादा ब्याज मिलता है या एकमुश्त रकम निवेश करके? यानी किस स्कीम में रिटर्न देने का दम ज्यादा होता है। इसे ब्याज दर अलग-अलग हो सकती है। इससे रिटर्न भी अलग-अलग ही मिलेगा। बाजार के जानकारों के अनुसार अब तक के कुछ म्यूचुअल फंड के ब्याज को देखा जाए जो पता चलता है कि इन फंडों ने एसआईपी पर ज्यादा ब्याज दिया, बजाय एकमुश्त निवेश के। यानी एसआईपी से जल्दी और बिना आर्थिक जोर पड़े अच्छा पैसा कमाया जा सकता है।

ऐसे में सवाल है कि एसआईपी के जरिए निवेश करना ज्यादा बेहतर है या एकमुश्त? हालांकि यह निर्भर करता है कि आप की कमाई कैसी है। जिन लोगों के पास एकमुश्त रकम नहीं है, वे एसआईपी के जरिए निवेश करते हैं। वहीं, जिनके पास एकमुश्त निवेश के लिए पैसा है, वे एकमुश्त रकम निवेश कर देते हैं।

### ज्यादा ब्याज मतलब ज्यादा रिटर्न नहीं

चौंक गए न? यह सच है। म्यूचुअल फंड में एकमुश्त रकम निवेश करने पर ब्याज एसआईपी के मुकाबले बेशक कम हो, लेकिन रिटर्न ज्यादा मिलता है। इसे हम एलआईसी म्यूचुअल फंड की इंफ्रास्ट्रक्चर फंड स्कीम का उदाहरण लेकर समझते है। यह 16 साल पुराना फंड है। इसने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। एसआईपी के जरिए निवेश करने पर इसने पिछले 5 साल में औसतन सालाना 39.30 फीसदी का ब्याज दिया है।

# बच्चे के भविष्य की चिंता है तो पैदा होते ही शुरू कर दें निवेश

- 18 की उम्र पर बच्चा करोड़पति बन जाएगा
- जन्म के साथ ही फाइनेंशियल प्लानिंग करें
- निवेश के फॉर्मूले 18x15x12 के तहत करें निवेश
- एसआईपी में कम्पाउंडिंग का फायदा जबरदस्त
- निवेश की अवधि मासिक, तिमाही या छमाही

अगर आपको अपने बच्चे के भविष्य की चिंता है तो बच्चे के पैदा होते ही निवेश पर फोकस करें। ऐसा करेंगे तो आपका बच्चा 18 साल का होते ही करोड़पति बन सकता है। इससे आपकी उसके भविष्य को लेकर हो रही चिंता खत्म हो जाएगी। बच्चे के जन्म के साथ ही उसके फ्यूचर के लिए फाइनेंशियल प्लानिंग करें। उसके 18 साल के होने तक आप करोड़ रुपये का फंड आसानी से जोड़ सकते हैं और बच्चे के प्रति अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभा सकते हैं। हालांकि इसके लिए आपको एक फॉर्मूले के तहत निवेश करना होगा। तभी आप एक करोड़ रुपये एकत्र कर पाएंगे। हर माता-पिता को बच्चे के जन्म के साथ ही उसके फ्यूचर की फिक्र भी सताने लगती है। आजकल बच्चे की पढ़ाई-लिखाई से लेकर उसकी शादी तक लाखों रुपये खर्च हो जाते हैं। आने वाले समय में ये खर्च और भी ज्यादा होगा। ऐसे में इतने सारे पैसों का इंतजाम कर पाना बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। हालांकि अगर आप बच्चे के जन्म के साथ ही उसके फ्यूचर के लिए फाइनेंशियल प्लानिंग कर लें, तो अपनी इस जिम्मेदारी को बहुत आराम से और बखूबी निभा सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसा ही तरीका जिसके जरिये आप अपने बच्चे के लिए लाखों नहीं, करोड़ रुपये भी जोड़ सकते हैं। इसके लिए आपको एक फॉर्मूले के साथ म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना होगा।

### ये फॉर्मूला करेगा कमाल

निवेश का यह फॉर्मूला है 18x15x12 इस फॉर्मूले के साथ आपको बच्चे के जन्म के साथ ही म्यूचुअल फंड्स में निवेश शुरू करना है। आप हर महीने एसआईपी के जरिए आसानी से म्यूचुअल फंड्स में निवेश कर सकते हैं। फॉर्मूले के हिसाब से 18 का मतलब साल से है यानी आपको बच्चे के जन्म के साथ एसआईपी शुरू करनी है और वो उसके 18 साल के होने तक जारी रखनी है। 15 का मतलब 15,000 रुपये की एसआईपी से है और 12 का मतलब रिटर्न से है। एसआईपी का औसत रिटर्न 12 फीसदी माना जाता है।

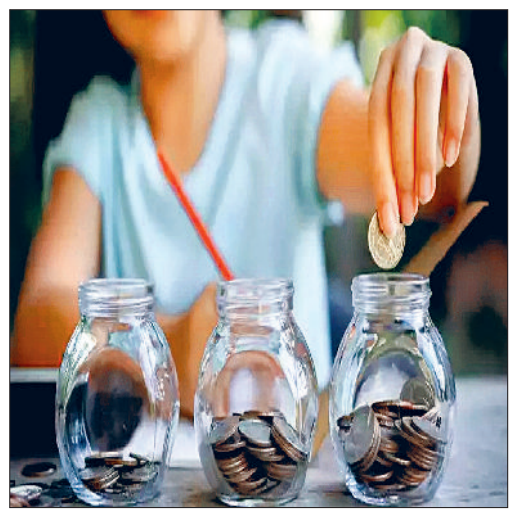

### ऐसे जुड़ेगा 1 करोड़( से ज्यादा फंड

अगर आप इस फॉर्मूले को अप्लाई करते हुए बच्चे के जन्म के साथ ही उसके नाम से 15,000 रुपये की मासिक एसआईपी शुरू करते हैं और इसे लगातार 18 सालों तक जारी रखते हैं तो आप 18 साल में कुल 32,40,000 रुपये का निवेश करेंगे। एसआईपी के औसतन रिटर्न 12% के हिसाब से कैलकुलेट करने पर 18 सालों में इस रकम पर 82,41,589 रुपये ब्याज के तौर पर मिलेंगे। इस तरह निवेशित रकम और ब्याज को मिलाकर 18 साल बाद कुल 1,14,81,589 रुपये मिलेंगे। इस तरह जब आपका बच्चा 18 साल का होगा तो वो 1,14,81,589 रुपये का मालिक होगा। ऐसे में आप उसकी हर जरूरत को इस रकम से आसानी से पूरा कर सकते हैं।

# सोने से भी खरी चांदी
# एक साल में 40 फीसदी बढ़ी

चांदी की चमक लगातार बढ़ती जा रही है। इस साल चांदी ने सोने से भी ज्यादा रिटर्न दिया है। सोने ने जहां एक साल में 23 फीसदी से 30 फीसदी तक रिटर्न दिया है। वहीं चांदी ने एक साल में 35 से 40 फीसदी तक का रिटर्न निवेशकों को दिया है। यानी यह सोने से भी ज्यादा रिटर्न देने वाली धातू बन गई है। वहीं बाजार के जानकारों को मानना है कि यह अगले 12 से 15 महीनों में सवा लाख के स्तर को छू सकती है। ऐसे में चांदी निवेश का बढ़िया जरिया बन सकती है। इस समय घरेलू बाजार में चांदी की कीमतें एक लाख रुपये किलो के स्तर को पार कर गई हैं। आने वाले साल में चांदी का प्रदर्शन सोने से बेहतर हो सकता है। अनुमान लगाया जा रहा है कि अगले 12-15 महीनों में चांदी की कीमत एमसीएक्स पर 1,25,000 रुपये के पार तक जा सकती हैं। यह भविष्यवाणी तब आई है जब चांदी इस साल अब तक 40 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त कर चुकी है। सोना, जो 2016 से अच्छा प्रदर्शन कर रहा है (2021 को छोड़कर), भी सकारात्मक रुख बनाए हुए है। जानकारों ने सोने के लिए मध्यम अवधि में 81,000 रुपये और लंबी अवधि में 86,000 रुपये का लक्ष्य रखा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत सीओएमइएक्स पर मध्यम अवधि में 2,830 डॉलर और लंबी अवधि में 3,000 डॉलर तक पहुंचने की संभावना जताई गई है।

### बाजार में यह उम्मीद

2024 में बाजार की अनिश्चितताओं, ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों, बढ़ती मांग और रुपये में कमजोरी के कारण कीमती धातुओं की कीमतों में तेजी देखी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के बाद के महीने सोने के भाव को लेकर अहम साबित होंगे। इस साल की तेजी के पीछे दो मुख्य कारण हैं। फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव। इस दिवाली के लिए बाजार का रुख सकारात्मक दिख रहा है, जिससे बुलियन की मांग बढ़ने की संभावना है।

### त्योहारी सीजन और ऐतिहासिक प्रदर्शन

इस साल दिवाली का त्योहार दो अहम घटनाओं के साथ हो रहा है अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव और 2024 की आखिरी फेडरल रिजर्व नीति बैठक। बढ़ती कीमतों को लेकर चिंता होने के बावजूद, त्योहारी सीजन में सोने की खरीदारी पारंपरिक रूप से बढ़ती है। ऐतिहासिक आंकड़े बताते हैं कि दिवाली 2019 में सोना खरीदने वाले निवेशकों को इस साल तक करीब 103 प्रतिशत का रिटर्न मिला है। एक विश्लेषण में देखा गया है कि लीप वर्षों में सोने का प्रदर्शन आमतौर पर अच्छा रहता है, खासकर जब ये अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के साथ होते हैं। 2,000 के बाद से, केवल 2015 और 2016 में दिवाली से पहले के 30 दिनों में नकारात्मक रिटर्न दर्ज किया गया था, जबकि बाकी समय सकारात्मक रुझान दिखा है।

**कुछ्य कारक**

- इस साल कीमती धातुओं की कीमतों में तेजी के पीछे दो प्रमुख कारण हैं।
- फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीतिः हाल ही में 50 बेसिस पॉइंट की दर में कटौती की गई है, जिससे विकास को बढ़ावा देने की कोशिश हो रही है। हालांकि, मुद्रास्फीति और श्रम बाजार में नरमी के संकेत मिल रहे हैं, और फेड के अधिकारी अभी भी आर्थिक भविष्य को लेकर स्पष्ट नहीं हैं।
- भू-राजनीतिक तनाव : रूस-यूक्रेन युद्ध और इजराइल-हमास संघर्ष जैसे घटनाओं ने बाजार में अनिश्चितता बढ़ाई है, जिससे सुरक्षित निवेशों की मांग बढ़ी है।
- आने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव, जिसमें पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और वर्तमान उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता शामिल है, बाजार में अस्थिरता ला सकती है।

### यह भी उम्मीद

जानकारों का कहना है कि हमें उम्मीद है कि सोने की कीमतों में और भी बढ़त हो सकती है, और किसी भी गिरावट को निवेश के अवसर के रूप में देखा जा सकता है। हमारे हालिया तिमाही रिपोर्ट के मुताबिक, 5-7 प्रतिशत की गिरावट एक अच्छा निवेश अवसर हो सकती है। ऐतिहासिक डेटा भी इस सकारात्मक दृष्टिकोण का समर्थन करता है, क्योंकि लीप वर्षों में कीमती धातुओं का प्रदर्शन बेहतर रहा है, खासकर जब ये अमेरिकी चुनावों के साथ मेल खाते हैं। 2000 से अब तक, केवल एक बार (2012-2016) लीप वर्षों में नकारात्मक रिटर्न देखा गया है, बाकी समय बाजार सकारात्मक रहा है।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email : response.haribhoomi@gmail.com
CLASSIFIED
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

**Appointment**
**आवश्यकता**

घरेलू/कुक कार्य

आवश्यकता है- तेलीबांधा के आगे, वी.आई.पी. चौक के पास रायपुर में घर का झाड़ू पोछा, कपड़ा बर्तन, साफ सफाई व शुद्ध शाकाहारी खाना बनाने हेतु पुरूष/महिलाये चाहिए। ग्रामीणों को प्राथमिकता पान, गुटका, तंबाखू या किसी तरह का नशा न करने वाले व शाकाहारी ही संपर्क करें 9300593000. (RO-1227)

आवश्यकता है- खाना बनाने एवं घरेलू कार्य करने हेतु ईमानदार लड़की/ महिला की आवश्यकता है। रहने खाने की सुविधा फ्री , वेतन योग्यतानुसार , परित्यक्ता ,विधवा, बेसहारा को प्राथमिकता। संपर्क करें- 88393-04037, 74890-17986 (आरो नं.-6391)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

मशीन ऑपरेटर

टेक्सटाईल स्पिनिंग (धागा) मिल, रायपुर (छत्तीसगढ़)
नई टेक्सटाईल धागा मिल में साफ व ठंडे वातावरण में मशीन चलाने हेतु नये/पुराने अनुभवी वर्कर्स चाहिए। रहने की उत्तम सुविधा व कैंटीन मिल में उपलब्ध। पहले दिन से PF/ESIC कवरेज व पेमेन्ट सीधे बैंक खाते में। 240 दिन से अधिक हाजरी पर छुट्टी का पैसा अलग। संपर्क करें। 8462933820 8357065592

सेल्समैन/ घरेलू कार्य

आवश्यकता है- सेल्समैन, कम्प्यूटर आपरेटर, ड्राईवर, माल छोड़ने के लिए लड़कों की एवं घरेलू कार्य हेतु लड़की /महिला की आवश्यकता है संपर्क करे - बोरियाखुर्द रायपुर मो. न. 9893115061 (RO-Om)

ड्राइवर

आवश्यकता है- अनुभवी कार ड्राइवर की 14000/- घरेलू काम हेतु युवक/ युवती 10000/- फार्महाउस में कार्य करने हेतु शादीशुदा (बिना बच्चे) को प्राथमिकता 12000/- रहने की सुविधाः- मो. 7470602013, 9302708426 देवपुरी रायपुर (RO-Om)

टेलीकॉलर

आवश्यकता है- यूरेका फॉर्ब्स लिमिटेड प्रोडक्ट हेतु आवश्यकता है 12TH PASS टेलीकॉलर- 2 ऑफिस असिस्टेंट -02 सेल्स रिप्रेजेंटेटिव 4 सर्विस टेक्निशियन 2 OFFICE BOY 1 (अनुभव आवश्यक नहीं ) संपर्क करें- दीपिका सर्विसेज कर्मचारी कॉलोनी कुशालपुर रायपुर 9826652461, (RO-Om)

सिक्योरिटी गार्ड

आवश्यकता है- सनी सिक्योरिटी सर्विसेस बिलासपुर को सुरक्षा गार्ड की तत्काल आवश्यकता है। रायपुर, बिलासपुर प्रा.लि. कंपनियों के लिए वेतन 13000 से 15000 तक आवास, मेडिकल फ्री संपर्क करें 9827110887, 8793519403, 8319724823, 9229260100.(RO-35805)

अन्य

आवश्यकता है- पेंसिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है। संपर्क करें- 7450945537, 9040788128.(RO-750)

**Property**
**प्रापर्टी**

जमीन

जमीन उपलब्ध है- रायपुर से मात्र 11 किलोमीटर की दूरी पर मोतीपुर, महादेवघाट, पाटन रोड हाईवे पर सर्वसुविधायुक्त 25000 वर्गफुट जमीन प्राइम लोकेशन पर फार्महाउस बनाने हेतु उपलब्ध संपर्क करें- 9111555767, 9691637649 (RO-5990)

**For Rent**
**किराया**

तत्काल किराये से देना है- देवरी तरपोंगी के पास होटल / ढाबा तत्काल किराये से देना है । संपर्क करेः- मो.- 98271-66974, 95222-17771 (आरो न.-613)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

**वैवाहिकी**
**वधु चाहिए**

वधु चाहिए
गुजराती 44 वर्ष 5'11", स्वयं का व्यवसाय इनकम 40,000 मासिक युवक हेतु कन्या चाहिए, उच्च जाति बंधन नहीं संपर्क करें (मैरिज ब्यूरो वाले कॉल न करें)
मो.नं.:-98271-14645
91311-39179

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

## टेस्ट : भारतीय टीम ने पहली पारी में बनाए थे 263 रन

# न्यूजीलैंड ने बनाई 143 रन की बढ़त गिरे नौ विकेट, भारत जीत के करीब

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारत ने शनिवार को यहां अच्छी वापसी करके न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच में जीत दर्ज करने की अपनी उम्मीदों को पंख लगाए। पहले दोनों मैच जीतकर तीन मैच की श्रृंखला अपने नाम कर चुके न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में नौ विकेट पर 171 रन बनाए हैं और उसने 143 रन की बढ़त हासिल कर ली है। इससे पहले भारत ने न्यूजीलैंड के 235 रन के जवाब में अपनी पहली पारी में 263 रन बनाकर 28 रन की बढ़त हासिल की थी।

वानखेड़े स्टेडियम की पिच से स्पिनर को मदद मिल रही है और ऐसे में भारत के लिए 150 रन के आसपास का लक्ष्य हासिल करना भी चुनौती पूर्ण होगा। भारत को अगर क्लीन स्वीप से बचना है तो उसके बल्लेबाजों को संयमित आक्रामकता दिखानी होगी। भारत की तरफ से शुभमन गिल (90) शतक से चूक गए जबकि ऋषभ पंत ने 60 रन की तूफानी पारी खेली। निचले क्रम में वाशिंगटन सुंदर में नाबाद 38 रन बनाकर भारत को बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

### जडेजा ने किए चार शिकार

जडेजा ने 52 रन देकर चार विकेट लिए और दूसरी पारी में थी पांच विकेट हासिल करने की तरफ कदम बढ़ाए। उन्होंने इस मैच अब तक 9 विकेट ले लिए हैं, पहली पारी में उन्होंने 5 विकेट लिए थे। अश्विन ने 63 रन देकर तीन विकेट लिए हैं जबकि सुंदर और आकाशदीप ने एक-एक विकेट लिया है। तेज गेंदबाज आकाशदीप ने पहले ओवर में ही न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम (01) का मिडिल स्टंप थर्राकर भारत को महत्वपूर्ण सफलता दिलाई।

### शुभमन ने पुजारा को पछाड़ा

भारत की तरफ से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड हिटमैन के नाम दर्ज है। रोहित ने 63 पारियों में 2674 रन बनाए हैं। कोहली इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 69 पारियों में 2426 रन बनाए। गिल इस लिस्ट में चौथे स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को पीछे छोड़ दिया। गिल के नाम अब 53 पारियों में 1799 रन दर्ज हो गए हैं। वहीं, पुजारा ने 62 पारियों में 1769 रन बनाए।

### गिल नर्वस 90 का शिकार

भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल पहली पारी में अपना शतक पूरा करने से चूक गए। वह नर्वस 90 का शिकार हो गए। हालांकि, एक खास मामले में उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया। मुंबई टेस्ट की पहली पारी में गिल 146 गेंदों में 90 रन बनाकर आउट हुए। इस मैच में वह भले ही शतक से चूक गए, लेकिन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 चक्र में भारत के लिए सर्वाधिक रन बनाने के मामले में रोहित शर्मा से आगे निकल गए। युवा बल्लेबाज ने 13 टेस्ट मैचों में 878 रन बनाए हैं। वहीं, रोहित के नाम 14 मैचों में 822 रन दर्ज हैं। इन दोनों से आगे यशस्वी जायसवाल हैं।

### स्कोर बोर्ड

| भारत पहली पारी | रन | गेंद | 4 | 6 |
|---|---|---|---|---|
| यशस्वी जायसवाल बो पटेल | 30 | 52 | 4 | 0 |
| रोहित शर्मा का लैथम बो हेनरी | 18 | 18 | 3 | 0 |
| शुभमन का मिचेल बो पटेल | 90 | 146 | 7 | 1 |
| सिराज पगबाधा बो पटेल | 00 | 01 | 0 | 0 |
| विराट कोहली रन आउट | 04 | 06 | 1 | 0 |
| ऋषभ पंत पगबाधा बो सोढ़ी | 60 | 59 | 8 | 2 |
| जडेजा का मिचेल बो फिलिप्स | 4 | 25 | 0 | 0 |
| सरफराज का ब्लंडेल बो पटेल | 00 | 04 | 0 | 0 |
| वाशिंगटन सुंदर नाबाद | 38 | 36 | 4 | 2 |
| अश्विन का मिचेल बो पटेल | 06 | 13 | 1 | 0 |
| आकाशदीप रन आउट | 00 | 00 | 0 | 0 |
| अतिरिक्त : 03, | | | | |
| कुल : 59.4 ओवर में 263/10 | | | | |

गेंदबाजी : हेनरी 8-1-26-1, ओरोरके 2-1-5-0, एजाज 21.4-3-103-5, फिलिप्स 20-0-84-1, रचिंद्र 1-0-8-0, सोढ़ी 7-0-36-1.

| न्यूजीलैंड दूसरी पारी | रन | गेंद | 4 | 6 |
|---|---|---|---|---|
| टॉम लैथम बो आकाश दीप | 01 | 04 | 0 | 0 |
| डेवोन कॉनवे का गिल बो सुंदर | 22 | 47 | 2 | 0 |
| विल यंग का और बो अश्विन | 51 | 100 | 2 | 1 |
| रचिन रविंद्र स्टं पंत बो अश्विन | 04 | 03 | 1 | 0 |
| मिचेल का अश्विन बो जडेजा | 21 | 44 | 1 | 1 |
| टॉम ब्लंडेल बो जडेजा | 04 | 06 | 1 | 0 |
| ग्लेन फिलिप्स बो अश्विन | 26 | 14 | 1 | 3 |
| सोढ़ी का कोहली बो जडेजा | 08 | 14 | 1 | 0 |
| मैट हेनरी बो जडेजा | 10 | 16 | 0 | 1 |
| ऐजाज पटेल नाबाद | 07 | 14 | 0 | 1 |
| अतिरिक्त : 17, | | | | |
| कुल : 43.3 ओवर में 171/9 | | | | |

गेंदबाजी : आकाश दीप 5-0-10-1, सुंदर 10-0-30-1, अश्विन 16-0-63-3, जडेजा 12.3-2-52-4.

छोटी सी उम्र में किया बड़ा कमाल

## तीन साल के अनीश फिडे रेटिंग हासिल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

जहां छोटी उम्र के अधिकतर बच्चे कार्टूनों को देखने या केवल खिलौनों के साथ खेलने में लीन रहते हैं। वहीं, अनीश सरकार शतरंज की बिसात पर अपना दिमाग दौड़ाते हैं, जिससे शुक्रवार को उन्होंने एक नया रिकॉर्ड भी स्थापित कर दिया। उत्तरी कोलकाता में रहने वाले अनीश महज तीन साल, आठ महीने और 19 दिन की उम्र में फिडे रेटिंग हासिल करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। उन्हें फिडे रेटिंग में 1555 की प्रारंभिक रेटिंग मिली। उन्होंने इस तरह भारत के ही तेजस तिवारी के रिकॉर्ड को तोड़ दिया जिन्होंने पांच साल से कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।

#### इन दो को अनीश ने दी मात

इस बीच उन्होंने दो रेटेड खिलाड़ियों अरव चटर्जी और अहिलान बैश्य को हराया। वह कुल मिलाकर 24वें स्थान पर रहे। इस बीच, उन्हें भारत के नंबर एक खिलाड़ी और विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ खेलने का मौका भी मिला।

### तेजस के रिकॉर्ड को तोड़ा

अनीश को इसके बाद पश्चिम बंगाल राज्य अंडर-13 ओपन में खेलने का मौका मिला जिसमें उन्होंने पांच रेटेड खिलाड़ियों का सामना करने की अर्हता पूरी की। इस तरह से उन्हें फिडे रेटिंग में 1555 की प्रारंभिक रेटिंग मिली। उन्होंने इस तरह भारत के ही तेजस तिवारी के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। जिन्होंने पांच साल से कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। *अनीश का जन्म 26 जनवरी 2021 को हुआ था। उन्होंने अक्टूबर में पश्चिम बंगाल राज्य अंडर-नौ ओपन प्रतियोगिता से प्रतिस्पर्धी शतरंज में डेब्यू किया। इस युवा खिलाड़ी ने अपनी पहली प्रतियोगिता में ही प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए संभावित आठ में से 5.5 अंक हासिल किए।*

## खबर संक्षेप

### मैकस्वीनी को टेस्ट टीम में चुनने की वकालत

**मेलबर्न।** ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर रिकी पोंटिंग और इयान हीली ने भारत के खिलाफ 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए राष्ट्रीय टीम में सलामी बल्लेबाज के खाली पड़े एक स्थान के लिए ऑस्ट्रेलिया ए के कप्तान नाथन मैकस्वीनी का चयन करने की वकालत की है। पोंटिंग ने कहा, /"मेरे हिसाब से इस स्थान को भरने का एकमात्र दावेदार नाथन मैकस्वीनी है, जो क्वींसलैंड में जन्मे हैं और अब दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के लिए खेल रहे हैं।

### कोनस्टास अभी टेस्ट के लिए तैयार नहीं

**मेलबर्न।** ऑस्ट्रेलिया के जाने-माने बल्लेबाजी कोच नील डीकोस्टा ने भारत के पृथ्वी साव का उदाहरण देते हुए ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं से आग्रह किया है कि वे 19 वर्षीय बल्लेबाज सैम कोनस्टास को

भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए टीम में शामिल करने में जल्दबाजी न करें। डीकोस्टा का मानना है कि कोनस्टास अभी पांच दिवसीय प्रारूप के लिए तैयार नहीं है। यह युवा बल्लेबाज भारत के खिलाफ श्रृंखला में उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत करने के दावेदारों में शामिल है।

# कृषा बने अंडर-19 वर्ल्ड चैंपियन पांच मुक्केबाजों को रजत पदक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

युवा भारतीय मुक्केबाज कृषा वर्मा ने अमेरिका के कोलोराडो में विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित शुरुआती अंडर-19 विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता जबकि पांच अन्य मुक्केबाजों ने रजत पदक अपनी झोली में डाले। कृषा ने 75 किग्रा वर्ग के फाइनल में जर्मनी की साइमन लेरिका को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले में मात दी।

चंचल चौधरी (महिला 48 किग्रा), अंजलि कुमारी सिंह (महिला 57 किग्रा), विनी (महिला 60 किग्रा), आकांक्षा फलासवाल (महिला 70 किग्रा) के अलावा राहुल कुंडू (पुरुष 75 किग्रा) अपने फाइनल में हार गए जिससे उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। चंचल अयोग्य घोषित किए जाने के

#### विश्व चैंपियनशिप

बाद दूसरे स्थान पर रहीं जबकि अंजलि को इंग्लैंड की मिया-तिया आयटन से 0-5 से हार मिली। आकांक्षा इंग्लैंड की लिली डीकॉन से जबकि राहुल अमेरिका के अविनोंग्या जोसेफ से 1-4 के समान अंतर से पराजित हुए। विनी को इंग्लैंड की एला लोन्सडेल से 2-3 के विभाजित फैसले में शिकस्त मिली। विश्व मुक्केबाजी का यह पहला वैश्विक टूर्नामेंट है। विश्व मुक्केबाजी को ओलंपिक आंदोलन में मुक्केबाजी का स्थान सुनिश्चित करने के लिए लांच किया गया था जिसका उद्देश्य मुक्केबाजी के लिए विश्व संचालन संस्था के तौर पर अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ की जगह लेना है।

### लिली ओसली दिल्ली एसजी पाइपर्स से जुड़े

**नई दिल्ली।** दिल्ली एसजी पाइपर्स ने शनिवार को इंग्लैंड महिला हॉकी की मिडफील्डर और सुपरस्टार लिली ओसली से हॉकी इंडिया लीग के आगामी सत्र के लिए करार किया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता ओसली 28 वर्ष की डच मिडफील्डर शान डि वार्ड की जगह लेंगी जिन्होंने निजी कारणों से नाम वापस ले लिया। ओसली ने रियो ओलंपिक 2016 में स्वर्ण और टोक्यो 2020 में कांस्य पदक जीता था।

# सुदर्शन का शतक, पर भारत ए हार के करीब

एजेंसी ▶▶| मैकॉय

साईं सुदर्शन अपना शतक पूरा करने में सफल रहे लेकिन भारत ए पहली पारी में बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के कारण ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ चार दिवसीय अनधिकृत टेस्ट मैच के तीसरे दिन शनिवार को यहां हार के करीब पहुंच गया।

सुदर्शन (103) ने सुबह अपनी पारी 96 रन से आगे बढ़ाई और शतक पूरा किया, लेकिन देवदत्त पडिक्कल 88 रन पर आउट हो गए। इन दोनों ने

तीसरे विकेट के लिए 196 रन की साझेदारी की जिससे भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में 312 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया के सामने 225 रन का लक्ष्य रखा। भारतीय टीम पहली पारी में 107 रन पर आउट हो गई थी जिसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 195 रन बनाए थे। भारतीय गेंदबाज हालांकि पहली पारी की तरह दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों पर दबाव नहीं बना सके। ऑस्ट्रेलिया ए ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट पर 139 रन बनाए थे और अब वह लक्ष्य से केवल 86 रन दूर है। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय कप्तान नाथन मैकस्वीनी और ब्यू वेबस्टर क्रमशः 47 और 19 रन पर खेल रहे थे।

# भारतीय सीनियर टीम ने फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| ब्यूनस आयर्स

भारत की सीनियर टीम ने यहां अंतिम चार के मुकाबले में स्वीडन को 195-129 से हराकर विश्व ब्रिज खेलों के फाइनल में प्रवेश किया। भारतीय टीम में कमल मुखर्जी, विभास टोडी, बादल दास, प्रणब बर्धन, अरुण बापट और रवि गोयनका शामिल हैं।

फाइनल में उनका मुकाबला अमेरिका से होगा। स्वीडन की टीम ने भारत को शुरू में चुनौती दी। भारतीय टीम ने हालांकि उसे कोई

मौका नहीं दिया और स्वीडन की टीम ने अंतिम चरण का खेल शेष रहने से पहले ही हार स्वीकार कर ली। इससे पहले भारत ने क्वार्टर फाइनल में कनाडा को और प्री-क्वार्टर फाइनल में स्कॉटलैंड को हराया था।

### मैं कभी टेनिस समुदाय का अनादर नहीं करता

**नई दिल्ली।** भारत के गैर खिलाड़ी डेविस कप कप्तान रोहित राजपाल ने शनिवार को स्पष्ट किया कि उन्होंने 'शट अप' उन्हें एजेंडे के तहत लगातार निशाना बना रहे कुछ लोगों के लिये कहा था , देश के टेनिस समुदाय के लिये नहीं जैसा कि पेश किया जा रहा है। राजपाल ने कहा कि डेविस कप कप्तान के रूप में उनकी योग्यता पर सवाल उठाने वाले लोगों को रिसर्च करना चाहिए और वह उन लोगों में से नहीं है जो खिलाड़ियों के नहीं चाहने पर पद पर बने रहेंगे।




## रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 21 करोड़ की फीस पर किया रिटेन

# कोहली आरसीबी के साथ पूरा करेंगे 20वां साल

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

विराट कोहली को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 21 करोड़ रुपए की फीस पर रिटेन किया है और भारत के स्टार क्रिकेटर ने संकेत दिए कि वह 2027 तक प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहेंगे जिसमें उनका लक्ष्य आरसीबी के साथ 20 साल पूरे करना है। कोहली के शीर्ष स्तर पर क्रिकेट खेलने के समय को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं क्योंकि यह 36 वर्षीय खिलाड़ी कोविड-19 की शुरुआत के बाद से पिछले चार वर्षों से ज्यादा धमाल नहीं कर पाया है।

वह 2008 में इंडियन प्रीमियर लीग की शुरुआत से ही आरसीबी

के लिए खेल रहे हैं और प्रतियोगिता में सर्वाधिक रन जुटाने वाले खिलाड़ियों में शुमार रहे हैं। उन्होंने 131.97 के शानदार स्ट्राइक रेट से 8,000 से अधिक रन बनाए हैं जिसमें आठ शतक और 55 अर्द्धशतक शामिल हैं। कोहली ने 'आरसीबी बोल्ड डायरीज' में संकेत दिया कि उनका लक्ष्य 2027 तक कम से कम तीन साल और खेलना है। उन्होंने इसमें कहा, 'इस चक्र के अंत में मुझे आरसीबी के लिए खेलते हुए 20 साल हो जाएंगे और यह मेरे लिए बहुत ही खास अहसास है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं एक टीम के लिए इतने साल तक खेलूंगा, लेकिन इतने वर्षों में रिश्ता सही में बहुत विशेष हो गया है। मैं आरसीबी के अलावा कहीं और खुद को खेलते हुए नहीं देखता। मैं बहुत खुश हूं कि ऐसा हुआ। मैं बहुत उत्साहित हूं कि मुझे इस नीलामी में एक नई टीम बनाने का मौका मिला। हम फ्रेंचाइजी और टीम के तौर पर इसके लिए उत्साहित हैं।'

# हॉस्टल में छात्रों की लड़ाई, एक-दूसरे पर पटाखों और रॉकेट से किया हमला

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

देशभर में धूमधाम से दिवाली मनाई गई। इस दिन लोगों ने जमकर पटाखे जलाए। अब इस बीच सोशल मीडिया पर एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो को देखने के बाद लोग हैरान है। दरअसल, दिवाली के दिन एक हॉस्टल में दो गुटों के बीच लड़ाई हो गई। इस लड़ाई का वीडियो सोशल मीडिया पर एक बार फिर वायरल हो रहा है।

वीडियो में छात्रों को एक -दूसरे पर रॉकेट से हमला करते हुए देखा जा सकता है। यह वीडियो बीते साल का है। हॉस्टल में दिवाली मनाने के दौरान छात्रों के बीच किसी बात को लेकर लड़ाई हो गई। अब इस लड़ाई का वीडियो वायरल हो रहा है। यह वीडियो रात का है, जिसे देखने पर लग रहा है कि जैसे कि कोई युद्ध चल रहा हो। अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर एक बार फिर से वायरल हो रहा है। हालांकि, यह साफ नहीं है कि वीडियो कहां का है, लेकिन वीडियो को देखने के बाद लोग अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे हैं, तो वहीं कुछ लोग इसे खतरनाक बता रहे हैं।

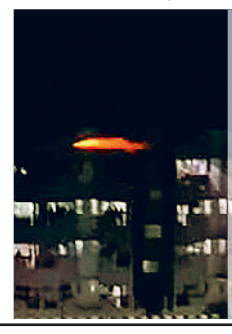

### ईरान-इजराइल की लड़ाई

आमतौर पर छात्रों के बीच लड़ाई में लात-घूसे चलते हैं, लेकिन यहां पर छात्र एक-दूसरे पर रॉकेट और पटाखों की बौछार कर रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक लड़का हाथों में पटाखों का डिब्बा पकड़ा हुआ है। इससे रॉकेट निकल रहे हैं और दूसरे गुट पर निशाना साधे जा रहे हैं। दूसरे शख्स का कहना है कि यह ऐतिहासिक वीडियो है। एक और शख्स ने लिखा है कि वीडियो गजब का है। एक शख्स का कहना है कि इस वीडियो को मैं जितनी बार देखता हूं, हंसी नहीं रुकती है। एक यूजर ने लिखा है कि यह तो ईरान-इजराइल की लड़ाई लग रही है।

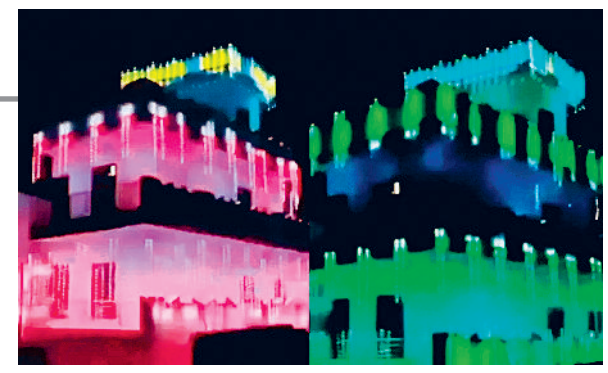





# भाई ने ऐसी मनाई दिवाली, आंख खोल ही नहीं पा रहे गांववाले

**नई दिल्ली।** सोशल मीडिया पर हर रोज़ न जाने कितने दिलचस्प कंटेंट वायरल होते रहते हैं। खासतौर पर अगर मौका तीज-त्योहार का हो, तो इससे जुड़े हुए ऐसे-ऐसे वीडियो दिख जाते हैं, जो आपको हंसने पर मजबूर कर दें। एक ऐसा ही दिवाली की लाइटिंग का वीडियो इस वक्त वायरल है, जिसे देखकर ही आपको हंसी आ जाएगी।

दीपावली पर सभी अपने घर को लाइट्स से सजाते हैं। अपने पसंद की लाइट्स घर के कोने-कोने में लगाई जाती है, ताकि घर सुंदर दिखे। हालांकि, जिस तरह से इस घर पर दिवाली की लाइट्स लगाई गई हैं, उसे देखकर ऐसा लग रहा है कि आप किसी क्लब में पहुंच गए हैं।

### यहां 'बिजली' गिरने वाली है

वायरल हो रहे वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक घर पर रात में लाइट जगमगा रही है। दरअसल इसे जगमगाना नहीं झमझमाना कहें, तो बेहतर है। लाइट्स का रंग और पैटर्न इतना लाउड है कि आपको लगेगा कि पूरा घर ही डांस कर रहा है। इतना ही नहीं, हर सेकंड इसका रंग और जगमगाने का तरीका और एग्रेसिव होता जा रहा है। आप इसे देखेंगे तो अपनी नजरें टिका ही नहीं पाएंगे।

### गांववालों में डर का माहौल!

इस वीडियो के कैप्शन में ही लिखा गया है – पूरे गांव में डर का माहौल है! कमेंट करते हुए एक यूज़र ने लिखा – ये पक्का डीजे वाले का घर है। एक अन्य यूज़र ने लिखा – ये घर कम, क्लब ज्यादा लग रहा है।

# इस कुएं का पानी पीते ही प्रेग्नेंट हो जाती हैं महिलाएं, मर्द की नहीं पड़ती जरूरत!



**बीजिंग।** मां बनना इस दुनिया का सबसे खूबसूरत अहसास है। महिला को अपना जीवन मां बनने के बाद ही पूरा महसूस होता है। हालांकि, कई बार मेडिकल रीजंस से महिलाएं कंसीव नहीं कर पातीं। खासकर, आज के समय की जो लाइफस्टाइल हो गई है, उसकी वजह से भी दुनिया में बांझपन के केसेस में काफी बढ़त देखने को मिली है।

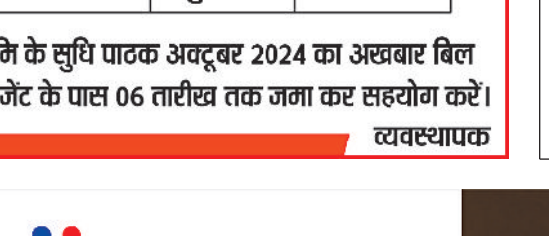

बच्चा ना होने के कारण कई महिलाएं डिप्रेशन में चली जाती हैं। कई डॉक्टर्स के चक्कर काटती हैं तो कई भगवान की शरण में जाती हैं। इस बीच चीन के यूनान प्रांत में स्थित एक कुएं की खूब चर्चा हो रही है। इस कुएं को प्रेग्नेंसी वेल के नाम भी जाना जाता है। कहते हैं कि इस कुएं का पानी पीते ही महिला प्रेग्नेंट हो जाती है। लेकिन, आपको बता दें कि ये कोई चमत्कार नहीं है। इसके पीछे छिपा है विज्ञान।

### ऐसे काम करता है ये कुआं

चीन का ये प्रेग्ननेंट बनाने वाला कुआं काफी मशहूर हो रहा है। इस जगह पर दो कुएं हैं। इसमें से एक का पानी पीने से लड़का तो दूसरे का पीने से लड़की पैदा होती है। अगर किसी ने एक साथ दोनों कुएं का पानी पी लिया तो उसका जुड़वा बच्चा होता है। दुनिया के कई देशों से कई महिलाएं अपनी झोली भरने के लिए इस जगह पर आती हैं।

### ये है पीछे का साइंस

अगर आपको लग रहा है कि इस कुएं का पानी पीने से महिला चमत्कारिक तौर पर प्रेग्नेंट हो जाती है तो ऐसा नहीं है। दरअसल, इस कुएं के पानी में ऐसे तत्व हैं जो महिला की बॉडी के हार्मोन्स को रेगुलेट करते हैं। प्रेग्नेंट होने के लिए महिला की बॉडी के हार्मोन्स सबसे अहम रोल प्ले करते हैं।

दुनियाभर के लिए आकर्षण का केंद्र रहे हैं पिरामिड

# मिस्र में पिरामिड बनाने में हुआ था वाटरवे का इस्तेमाल?

> मिस्र के पिरामिड अपने विशाल आकार और प्राचीन इतिहास के साथ-साथ अपने निर्माण से जुड़े रहस्यों की वजह से भी दुनिया को आकर्षित करते रहे हैं। हजारों साल पहले फिरौन के लिए भव्य मकबरे के तौर पर बने ये पिरामिड आज भी ज्यों के त्यों खड़े हैं।

एजेंसी ▸▸ काहिरा

ये बात विशेषज्ञों का सिर चकराती रही है कि आखिर इन विशाल संरचनाओं को कैसे बनाया गया होगा और बड़े पत्थरों को उठाने के लिए किस तरह की तकनीक का इस्तेमाल प्राचीन समय में हुआ होगा।

पिरामिडों पर आए तमाम दावों के बावजूद इनके बनने को लेकर पहेली पूरी तरह से नहीं सुलझ सकी है। इस संबंध में अब एक नया दावा सामने आया है। डेली एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं की एक टीम इस नतीजे पर पहुंची है कि मिस्र के 31 पिरामिड नील नदी के लंबे-चौड़े खंड के साथ बनाए गए होंगे, इनमें गीजा का 450 फीट ऊंचा ग्रेट पिरामिड भी शामिल है।

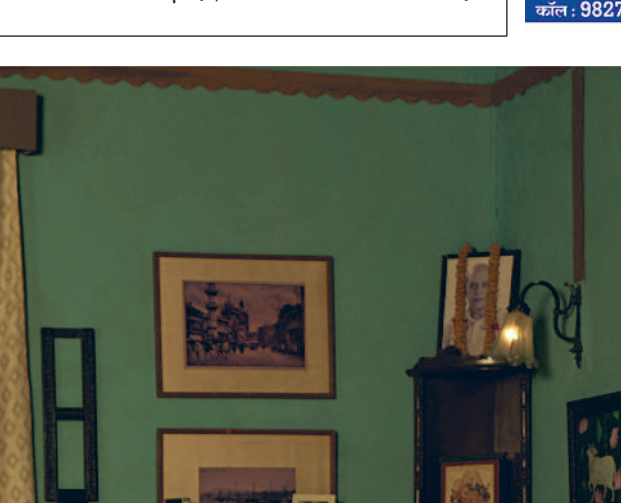



### रिसर्च ने पुरानी धारणा को दी चुनौती

प्रोफेसर इमान घोनिम के नेतृत्व में रिसर्च टीम ने अपने दावे से पिछली धारणा को चुनौती दी है। घोनिम ने कहा कि नील नदी के छिपे हुए हिस्से को मैप करने में मदद करने के लिए आसपास के ऐतिहासिक मानचित्रों के संयोजन की मदद से जांच की कि ये पिरामिड वास्तव में कैसे बनाए गए थे।

### नील नदी के इस निश्चित हिस्से का उपयोग किया

रिसर्च टीम ने पाया कि प्राचीन मिस्रवासियों ने 4,700 से 3,700 साल पहले इन पिरामिडों के निर्माण के लिए विशाल पत्थर के ब्लॉकों के परिवहन में मदद करने के लिए नील नदी के इस निश्चित हिस्से का उपयोग किया था। गोनिम की टीम का मानना है कि पिरामिडों का मूल निर्माण स्थान दबी हुई नदियां और प्राचीन संरचनाएं थीं, जो प्राचीन मिस्र के पिरामिडों के पास तलहटी में पाई गईं। यह नई खोज इस बात पर भी प्रकाश डालती है कि लिश्त और गीज़ा के बीच इतने सारे पिरामिड क्यों बनाए गए थे, जो सहारन रेगिस्तान का एक क्षेत्र है जो ऐसे चमत्कारों के निर्माण के लिए बेहद कठिन परिस्थितियों का पर्याय है।

हरिभूमि माह अक्टूबर 2024 का मासिक बिल

| दिन | दर | राशि |
|---|---|---|
| 31 दिन | 5.00 | 155.00 |
| | कुल | 155.00 |

हरिभूमि के सुधि पाठक अक्टूबर 2024 का अखबार बिल अपने एजेंट के पास 06 तारीख तक जमा कर सहयोग करें।
व्यवस्थापक

मुंह का ना खुलना
पान, तंबाकू सेवन के कारण मुंह का ना खुलना एक्सीडेंट में चोट या अन्य कारणों से मुंह का ना खुलना

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

संजीवनी
कैंसर केयर फाउंडेशन
की ओर से जनहित में जारी
कैंसर व अन्य बीमारियों से बचाव हेतु
- जरूरत से अधिक भोजन व मिठाइयों के सेवन से बचें।
- मानसिक तनाव से बचें।
- गुटका, पान - मसाला बंद करें।
- व्यायाम, योग, प्राणायाम करें।
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
संजीवनी सीबीसीसी कैंसर हॉस्पिटल के सामने दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर (छ.ग.)
+91 7067277821




हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com